भाद्रपद शुक्ल पक्ष 14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 80 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
25 सितंबर 2026
शुक्रवार

मध्यप्रदेश बदल रहा है...

यह बदलाव अब सफर में भी दिखेगा

स्मार्ट, सुविधाजनक, सुरक्षित सफर और समय की बचत,
गांव से शहर तक, घर से काम तक, स्कूल और कॉलेज तक,
सपनों से उनकी मंजिल तक **एक भरोसेमंद सफर...**

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा | पीएम ई-बस सेवा

आज शुभारंभ

मुख्य अतिथि
नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन
एवं राजमार्ग मंत्रालय

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

दशहरा मैदान, बीएचईएल, भोपाल

अंतर-नगरीय एवं अंतर-राज्यीय सेवा

3,500+ मार्गों पर अगले 5 वर्ष में
15,000+ सार्वजनिक परिवहन बसों का चरणबद्ध विस्तार,
छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक होगा हर सफर आसान

पूरे प्रदेश में होंगे आधुनिक, सुविधाजनक, बस स्टॉप,
बस टर्मिनल्स एवं निजी बस ऑपरेटर्स हेतु बस डिपो

सम्पूर्ण प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी नेटवर्क

ऐसा एकीकृत परिवहन तंत्र, जो यात्रा के समय को कम करेगा
और सफर को अधिक सुगम बनाएगा

तकनीक के साथ सुरक्षा, सुविधा और भरोसा

आपात स्थिति में तत्काल सहायता के लिए पैनिक बटन की सुविधा
ड्रायवर मॉनिटरिंग व CCTV कैमरे से स्मार्ट सुरक्षा व्यवस्था
रीयल-टाइम बस ट्रैकिंग, विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं से लैस

पर्यावरण-अनुकूल आधुनिक बसें

EV और CNG बसों को प्राथमिकता

ऑनलाइन टिकटिंग

- UPI • डेबिट/क्रेडिट कार्ड
- NCMC कार्ड • नकद भुगतान

24×7 कस्टमर केयर

यात्री फीडबैक के आधार पर शिकायतों
एवं समस्याओं का त्वरित समाधान

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11123/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

अनंत चतुर्दशी: आशीष बरसाते गणपति अपने गांव चले...चल समारोह में दिखेंगी 1500 झांकियां

भोपाल। राजधानी में आज अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जा रहा है। 10 दिन तक शहरवासियों को आशीष बरसाने और अगले साल जल्दी आने के लिए बप्पा अपने गांव लौट रहे हैं। शहरवासियों ने बप्पा को विदाई देने के लिए सुबह से ही पूजा-अर्चना की। हवन किया। न्यू मार्केट, कोलार, करोंद, गोविंदपुरा समेत अन्य इलाकों से जुलूस डीजे के साथ प्रतिमाओं को विसर्जन करने घाटों पर पहुंचने लगे।

निगम व जिला प्रशासन की ने बप्पा के विसर्जन और चल समारोह की तैयारी की है। श्री हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में श्रीगणेश विसर्जन चल समारोह का मुख्य आयोजन होगा। शुभारंभ शाम 7 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी, भारत टॉकीज के पास से होगा। इसमें करीब 1500 झांकियां शामिल होंगी। समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, चल समारोह संयोजक यमन कैथ्या ने बताया कि शुभारंभ स्थल पर विशेष स्वागत मंच से प्रतिमाओं का स्वागत होगा।

इन घाटों पर होगा विसर्जन

खटलापुरा, प्रेमपुरा, कालीघाट, पांच नंबर, हथाईखेड़ा डेम, बैरागढ़ डेम समेत अन्य घाटों पर विसर्जन होगा। निगम ने सभी घाटों पर 13 क्रेन, 12 पोकलेन मशीन, 184 गोताखोर, जीवन रक्षक उपकरण, संसाधन, फायर फाइटर व रेस्क्यू वाहन समेत 98 फायरकर्मी तैनात किए हैं।

झांकियां होंगी पुरस्कृत

चल समारोह में ढोल-ताशे, पारंपरिक वाद्ययंत्र और बैंड-बाजों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इससे पूरा मार्ग गणपति बप्पा की भक्ति और उत्सव के रंग में सराबोर नजर आएगा। समिति आकर्षक झांकियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जुलूस निकालने के चलते ट्रैफिक व्यवस्था बदली

मुख्य चल समारोह के कारण ट्रैफिक व्यवस्था बदली है। मुख्य चल समारोह शाम 7 बजे भारत टॉकीज चौराहे से शुरू होगा। जुलूस इतवारा, गणेश चौक, मंगलवारा, गल्ला मंडी, हनुमानगंज, छोटे भैया चौराहा, जुमेराती, पुराना पोस्ट ऑफिस, सिंधी मार्केट, पीरगेट, मोती मस्जिद, रेतघाट और कमला पार्क होते हुए कमलापति घाट पहुंचेगा। शाम 5 बजे से सिटी बस और मैजिक वाहनों का भारत टॉकीज, अल्पना तिराहा, नादरा बस स्टैंड और भोपाल टॉकीज चौराहे की ओर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। शाम 6 बजे से मंगलवारा थाना तिराहा, जुमेराती पानी की टंकी,घोडा नक्कास व बस स्टैंड की ओर वाहन नहीं जाएंगे। 4 मीटर से अधिक चौड़ी प्रतिमा वाले रोशनपुरा से मैनिट चौराहा से भदभदा घाट जाएंगे।

न्यूज विंडो

नाबालिग पोते ने ही चुराए थे दादा के घर से 4.50 लाख के जेवर

भोपाल। गौतम नगर इलाके में दादा के घर नाबालिग पोते ने 4.30 लाख रुपए के सोने के जेवर चुरा लिए। पुलिस ने इसका खुलासा कर पोते को न्यायिक अभिरक्षा में लिया। पहले मामले में अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक गणेश नगर में रहने वाले संतोष पवार के घर से 4.30 लाख रुपए के जेवरात चोरी हो गए थे। पुलिस ने जांच की तो पता चला फरियादी के नाबालिग पोते ने चोरी की थी। उसने जुर्म कबूल लिया है।

सोशल मीडिया पर की दोस्ती, घर बुलाकर किया दुष्कर्म

भोपाल। शहर में सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद 19 वर्षीय युवती से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने उसे अपने घर बुलाकर दुष्कर्म किया और इसके बाद शादी का झांसा देकर एक साल तक शोषण करता रहा। युवती ने परिजनों की मदद से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, युवती की एक साल पहले इंस्टाग्राम पर आरोपी युवक योगेश बंसल से पहचान हुई थी। वह एमपी नगर के शिवाजी नगर इलाके में रहता है। बातचीत बढ़ी तो आरोपी ने युवती को घर मिलने के लिए बुलाया। आरोप है, घर पर आरोपी ने युवती से दुष्कर्म किया। इसके बाद शोषण करता रहा। युवती ने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ समय से आरोपी पर शादी के लिए दबाव बना रही थी, लेकिन वह इनकार करने लगा।

'सोम डिस्टलरीज बिना लाइसेंस टेंडर में नहीं ले सकती हिस्सा'

भोपाल। शराब लाइसेंस और देसी शराब के थोक टेंडर में भागीदारी को लेकर सोम डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने कंपनी की टेंडर में शामिल होने की मांग खारिज कर साफ कर दिया कि कंपनी के पास वैध शराब लाइसेंस नहीं है। वह शराब ठेके के टेंडर में भागीदारी का दावा नहीं कर सकती। हालांकि, 18 जून 2026 को आबकारी आयुक्त की ओर से लाइसेंस के नवीनीकरण आवेदन खारिज किए जाने की वैधता का मुद्दा अभी खुला है। बेंच ने इस हिस्से को सुनवाई के लिए सिंगल बेंच के समक्ष भेज दिया है। कंपनी ने आबकारी विभाग की ओर से जारी टेंडर की शर्तों को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था। इसके साथ ही 18 जून को उसके विभिन्न शराब लाइसेंस के नवीनीकरण आवेदन निरस्त किए जाने के आदेश को भी चुनौती दी थी। लेकिन कोर्ट ने कंपनी के दावे को ही खारिज कर दिया।

शहर में फर्जी सर्टिफिकेट बनाने का नेटवर्क, उत्तराखंड एसआईटी ने पकड़ा

MBBS में फ्रीडम फाइटर कोटे से सीट दिलाता था, गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

45 लाख में 1 सीट का सौदा, 3 अभ्यर्थियों से लिए 20-20 लाख एडवांस

उत्तराखंड में फ्रीडम फाइटर आश्रित कोटे के फर्जी प्रमाणपत्र बनाकर एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के मामले के तार अब भोपाल से जुड़ गए हैं। फर्जीवाड़े के नेटवर्क में शहर का धीरज कुमार श्रीवास्तव भी शामिल था। उत्तराखंड पुलिस की एसआईटी ने जांच की तो पोल खुली। एसआईटी ने मामले में तीसरी गिरफ्तारी भोपाल से धीरज श्रीवास्तव को पकड़कर कर ली। उसके कब्जे से कमीशन के तौर पर लिए गए 5.58 लाख रुपए बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार धीरज इस पूरे नेटवर्क में एजेंट की भूमिका निभा रहा था। वह अभ्यर्थियों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने की डील करता था। एसआइटी जांच में सामने आया है कि आरोपियों द्वारा एमबीबीएस सीट दिलाने के लिए हर अभ्यर्थी से करीब 45 लाख रुपए की मांग की गई थी। पुलिस के मुताबिक, तीन अभ्यर्थियों के परिवारों से 20-20 लाख रुपए एडवांस लिए थे। मामले में एसआईटी ने पहले रूपेश पंडित और अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया। दोनों से पूछताछ की तो भोपाल में नेटवर्क चला रहे धीरज का नाम सामने आ गया। इसके बाद उत्तराखंड की एसआईटी ने धीरज को गिरफ्तार कर लिया। उसे उत्तराखंड लेकर गई है।

मुख्य आरोपी से 8 लाख हो चुके जब्त

एसआइटी ने पहले गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी बताए जा रहे रूपेश पंडित की निशानदेही पर धीरज कुमार श्रीवास्तव को भोपाल से पकड़ा गया। उसके पास से 5.58 लाख रुपए बरामद किए गए। एसआईटी के अनुसार फर्जीवाड़े के मुख्य आरोपी रूपेश पंडित के घर से पहले ही 8 लाख रुपए बरामद हो चुके हैं। अन्य आरोपियों के घर भी दबिश दी जा रही है।

एक ही फ्रीडम फाइटर के नाम 4 प्रमाण पत्र

यह मामला उस समय सामने आया जब फ्रीडम फाइटर आश्रित कोटे के तहत एमबीबीएस में दाखिला लेने वाली चार छात्राओं के प्रमाणपत्र जांच में संदिग्ध पाए गए। चारों ने एक ही फ्रीडम फाइटर धर्मवीर वर्मा के नाम का इस्तेमाल किया था। सरकारी रिकॉर्ड में फ्रीडम फाइटर होने की पुष्टि नहीं हुई। प्रमाणपत्र निरस्त कर दाखिले भी रद्द कर दिए गए। मामले में रायपुर और क्लेमेंट टाउन थाने में एफआइआर दर्ज होने के बाद एसआइटी ने जांच शुरू की थी। मेडिकल कॉलेजों के दस्तावेज, आवेदन में दिए गए पते और प्रमाणपत्र तैयार होने की प्रक्रिया की जांच कर रही है। करीब 12 लोगों की भूमिका जांच के दायरे में है।

गिरोह ऐसे कर रहा था फर्जीवाड़ा

उत्तराखंड में फर्जी फ्रीडम फाइटर सर्टिफिकेट से एमबीबीएस प्रवेश दिलाने वाले इस नेटवर्क की कहानी बड़ी ही अजीब है। गिरोह उत्तराखंड की एक एमबीबीएस सीट के लिए 45 लाख रुपए वसूलता था। पहली किस्त मिलने के बाद वे काम शुरू करते थे। नीट की परीक्षा में अभ्यर्थियों को कितने भी नंबर क्यों न आए हों, उसे वे नीट की काउंसलिंग में बैठने लायक बना देते थे। यह नेटवर्क बिहार, बंगाल, गुजरात जैसे दूसरे राज्यों में भी प्रवेश दिला रहा था। गिरोह पहले नीट में कम अंक लाने वाले बच्चों को तलाशता था। चूंकि उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज मिलने की संभावना नहीं होती थी। इसलिए कैंडिडेट का नंबर पता चलने के बाद पिछली काउंसलिंग की कटऑफ देखी जाती थी। पता लगाते थे कि उसकी रैंक पर किस कोटे में सीट मिल सकती है। यानी पहले कैंडिडेट की रैंक देखते, फिर उसके लिए कॉलेज और कोटा डिसाइड करते थे। अगर सामान्य कैटेगरी में सीट नहीं बनती थी तो दूसरे कोटे का रास्ता तलाशा जाता था।

ट्रेनें खाली, इसलिए कमाई का फॉर्मूला

700 से ज्यादा पिलरों पर विज्ञापन..अब 8 स्टेशनों के नाम से कमाएगा मेट्रो

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेट्रो में यात्री भले अभी उम्मीद के मुताबिक नहीं हैं, लेकिन कमाई के रास्ते लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। टिकट के अलावा अब स्टेशन की जगह, मेट्रो पिलर, कोच और स्टेशन के नाम तक को कमाई का जरिया बनाने की तैयारी है। इसी कड़ी में अब भोपाल-इंदौर मेट्रो के चयनित स्टेशनों के सेमी-नेमिंग और को-ब्रांडिंग अधिकार तीन साल के लिए देने का टेंडर जारी किया गया है। भोपाल में एम्स से सुभाष नगर तक के सभी आठ स्टेशन इसके दायरे में हैं। कंपनियां एक या एक से ज्यादा स्टेशन के लिए बोली लगा सकती हैं। जिस स्टेशन के लिए सबसे ज्यादा बोली होगी, वहां उसी को लाइसेंस दिया जाएगा। इसके लिए टेंडर में आठ स्टेशन एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, आरकेएमपी, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर को शामिल किया गया है।

विज्ञापन के लिए लीज की प्रक्रिया की गई

मेट्रो ने कमाई का जरिया सिर्फ स्टेशन तक सीमित नहीं रखा। भोपाल के प्राथमिक कॉरिडोर में 700 से ज्यादा एलिवेटेड पिलरों को विज्ञापन के लिए लीज पर देने की प्रक्रिया की। जनवरी 2026 में एमपीएमआरसीएल ने मेट्रो नेटवर्क के स्टेशनों पर भी विज्ञापन का टेंडर जारी किया था।

पहले स्टेशन की खाली जगह से कमाई

इससे पहले एमपीएमआरसीएल ने मेट्रो स्टेशनों में व्यावसायिक जगह किराए पर देने की प्रक्रिया शुरू की। फरवरी 2026 में जारी टेंडर में एम्स से सुभाष नगर कॉरिडोर के विभिन्न स्टेशनों की व्यावसायिक जगहों को लाइसेंस पर देने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। बाद में बोर्ड ऑफिस चौराहा और सुभाष नगर स्टेशन के ग्राउंड फ्लोर की जगह के लिए अलग टेंडर भी हुए। वहीं मेट्रो ने मई में 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' योजना शुरू की। इसके तहत मेट्रो कोच और स्टेशन परिसर में बर्थडे, किटी पार्टी जैसे आयोजन हो सकते हैं।

इंसाफ: रुपए से जिंदगी तो नहीं लौटेगी, लेकिन जीने की राह जरूर आसान हो जाएगी

रॉन्ग साइड से आई मौत ने छीना घर का चिराग, अब बीमा कंपनी भरेगी 3.72 करोड़ रुपए का हर्जाना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में करीब सवा दो साल पहले एक झटके में हंसता-खेलता परिवार तबाह हो गया। जिंदगी तो नहीं लौटी, लेकिन न्याय की चौखट ने आखिरकार पीड़ित परिवार को संबल दिया है। शहर के बावड़िया कलां निवासी 38 वर्षीय युवा व्यवसायी पुलकित पोपली की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) का दावा किया गया था। अधिकरण ने बीमा कंपनी को पीड़ित परिजनों को 3 करोड़ 72 लाख रुपए का मुआवजा 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ अदा करने का आदेश दिया है।

इटारसी से लौट रहे थे, तभी हादसा

घटना 25 जुलाई, 2024 की देर रात की है। मेसर्स नेक टेक के नाम से गैस पाइपलाइन और बांध निर्माण का बड़ा कारोबार संभालने वाले पुलकित कार से इटारसी से भोपाल लौट रहे थे। रात करीब 3.30 बजे, बगवाड़ा टोल (बुधनी) के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए रॉन्ग साइड से कार को सीधी टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलकित को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। वे गंभीर रूप से घायल थे।

लगाई इंसाफ की गुहार

हादसे के बाद मृतक की पत्नी, 8 साल की मासूम बेटी, वृद्ध माता-पिता और बहन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों की ओर से वरिष्ठ वकील प्रदीप डांगले ने ट्रक चालक, वाहन मालिक और न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ न्यायाधिकरण में क्लेम केस दायर किया। मोटर दावा अधिकरण ने फैसले में सबसे अहम मोड़ व्यवसायी की लगातार बढ़ती वार्षिक आय और उनके द्वारा जमा किए गए टैक्स रिटर्न बने। कोर्ट ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 19 लाख आय, 2022-23 में 21 लाख आय और 2023-24 में 23.50 लाख आय का आंकलन किया। इसके बाद 3.72 करोड़ रुपए के मुआवजे का फैसला सुनाया।

सेज यूनिवर्सिटी के नाम भेजा था मैसेज

CMD बनकर ठगी का प्रयास अलर्ट थे तो बचे 1.90 करोड़

भोपाल। साइबर ठगों ने सेज यूनिवर्सिटी के अकाउंटेंट को निशाना बनाते हुए उसके व्हाट्सएप का इस्तेमाल कर 1.90 करोड़ रुपए की रकम ट्रांसफर कराने की कोशिश की। ठगों ने यूनिवर्सिटी के सीएमडी संजीव अग्रवाल के नाम से अकाउंटेंट को संदेश भेजकर एक निजी कंपनी के बैंक खाते में रकम जमा करने के निर्देश दिए। हालांकि समय रहते अकाउंटेंट को व्हाट्सएप की गतिविधियों पर संदेह हो गया और उसने कटारा हिल्स पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने रकम ट्रांसफर होने से पहले ही साइबर ठगी की कोशिश रोक दी गई। सेज यूनिवर्सिटी के अकाउंटेंट रिषभ भार्गव को गुरुवार दोपहर मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप पर संदेश मिला। संदेश भेजने वाले ने खुद को सीएमडी संजीव अग्रवाल बता बाउंड बिल्डर्स ओपीसी प्रालि के खाते में 1.90 करोड़ रुपए जमा करने को कहा। रिषभ ने इसे सही माना और और बताए गए बैंक खाते को यूनिवर्सिटी के खाते में लाभार्थी के तौर पर जोड़ दिया।

मेट्रो एंकर — ये कैसा निर्माण कि बनते ही सामने आने लगी खराबी, 12 करोड़ से मरम्मत करानी पड़ी

4 साल पहले बना रवींद्र कन्वेंशन सेंटर, होने लगा लीकेज-डैमेज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में महज चार साल पुराने रवींद्र कन्वेंशन सेंटर की मरम्मत पर अब तक कम से कम 12 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। 48 करोड़ रुपए की लागत से बने इस कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन 26 जनवरी 2022 को हुआ था। तब से लेकर अब तक इसकी मरम्मत पर ही 12 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। 1,500 सीटों की क्षमता वाले मध्य प्रदेश के सबसे बड़े ऑडिटोरियम वाले इस कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन राज्यपाल मंगुभाई पटेल और तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने गणतंत्र दिवस 2022 के पर किया था। इसकी आधारशिला 1 नवंबर 2015 को रखी गई थी और इसे 33 करोड़ रुपए की लागत से

नवंबर 2018 तक तैयार करने का लक्ष्य था। लेकिन यह समय पर पूरा नहीं हो सका। इसमें चार साल की देरी हुई और जिम्मेदारों की इस लापरवाही से निर्माण की लागत बढ़कर 48 करोड़ रुपए हो गई। पीडब्ल्यूडी की पीआईयू इकाई के इस निर्माण की पोल दो साल बाद ही खुलने लगी है। जगह-जगह सीपेज सेंटर को बदहाल कर रहे हैं।

48 करोड़ की इमारत की ऐसी हालत क्यों

48 करोड़ रुपए की इस इमारत की हालत उद्घाटन के दो साल के भीतर ही खुल गई। सेंटर की छत से पानी टपकना शुरू हो गया, बारिश का पानी दीवारों में समाने लगा और कई जगहों से फॉल्स सीलिंग के पैनल उखड़कर गिर गए। सेंटर के बगीचे में एक विशेष शिविर के दौरान कलाकारों द्वारा बनाई गई पत्थर और संगमरमर की मूर्तियां भी उचित रखरखाव के अभाव में अपनी चमक खो चुकी हैं। चबूतरों की कमी के कारण उन्हें उबड़-खाबड़ जमीन पर रख दिया गया था और उनके कुछ हिस्सों को हटा दिया ताकि गिरकर टूट न जाएं। 11,821 वर्ग मीटर में फैले इस सेंटर में सम्मेलन, सेमिनार, बैठकें, व्याख्यान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें मिनी ऑडिटोरियम, बैंक्वेट हॉल, रिहर्सल रूम, ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो, फूड कोर्ट, आर्ट गैलरी, लाइब्रेरी आदि शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, पिछले साल इमारत की मरम्मत पर 6 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। इस साल भी इतनी ही रकम की स्वीकृति दी गई है। सवाल यह है कि क्या इस भ्रष्टाचार के जिम्मेदारों पर विभाग कोई कार्रवाई करेगा या करोड़ों रुपए मरम्मत पर फूंकता ही रहेगा।

विद्यार्थियों को अंतिम मौका

कॉलेज बदलने-फीस वापसी का आज अंतिम दिन, विभाग ने बढ़ाई तारीख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के कॉलेजों में एडमिशन ले चुके विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा संचालनालय ने एक और मौका देते हुए तारीख आगे बढ़ा दी है। इसके तहत स्टूडेंट आज अपना कॉलेज और संकाय परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 की ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्रवेश निरस्तीकरण, फीस वापसी, विषय, पाठ्यक्रम या संकाय परिवर्तन, कॉलेज ट्रांसफर, प्रोफाइल के त्रुटिपूर्ण डेटा में संशोधन की अंतिम तारीख 15 सितंबर से बढ़ाकर 25 सितंबर कर दी गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, पूर्व में यह समस्त संशोधन प्रक्रिया 1 सितंबर से 15 सितंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। अब इसे 25 सितंबर तक बढ़ाया है। विद्यार्थी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना प्रवेश निरस्त करवाकर शुल्क वापसी ले सकते हैं।

विभागीय कमिश्नर बोले- यह फैसला छात्रहित में लिया गया

उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त प्रबल सिपाहा का कहना है कि विभिन्न कॉलेजों से स्टूडेंट्स द्वारा कॉलेज और संकाय बदलने के लिए आवेदन नहीं कर पाने की शिकायत की गई थी। छात्र हित में ध्यान रखते हुए यह तारीख बढ़ाई गई है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष 14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 80 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
25 सितंबर 2026
शुक्रवार

आज का मौसम
31.2 अधिकतम
21.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

जल्दबाजी में राहुल गांधी ने एक बार फिर फेंकी लूज बॉल...!

कुछ सोचने का वक्त जनता को भी दीजिये राहुल जी...

राहुल गांधी मोदी-शाह को घेरने के हर अवसर का श्रेय खुद लेने की जल्दबाजी करते दिखाई देते हैं। लेकिन लोकतंत्र में जनता को भी सरकार के पक्ष या विपक्ष में अपनी राय बनाने का अवसर देना पड़ता है। एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत बिना जांच गिरफ्तारी और जमानत संबंधी प्रावधानों पर भी गंभीर बहस की गुंजाइश है। सुप्रीम कोर्ट के 2018 के फैसले के बाद संसद ने कानून में संशोधन कर पुराने प्रावधानों को बहाल किया था। ऐसे मामलों में कानून, न्यायालय की व्याख्या और सरकार के फैसले-तीनों को अलग-अलग समझना जरूरी है। यदि सरकार की किसी नीति से उसके समर्थक वर्ग में असंतोष पैदा होता है तो विपक्ष के पास उसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का अवसर होता है। राहुल गांधी को हर असंतोष का चेहरा बनने की जरूरत नहीं है। विपक्ष का काम सिर्फ सरकार पर हमला करना नहीं, बल्कि प्रमाणों के साथ सरकार से जवाब मांगना भी है। राहुल गांधी के सामने असली चुनौती यही है की वे हर गेंद पर छक्का मारने की कोशिश न करें। कुछ गेंदें छोड़ना भी बल्लेबाजी का हिस्सा होता है। वरना सेल्फ गोल का सिलसिला चलता रहेगा और विपक्ष को मजबूत करने की उनकी मेहनत का फायदा फिर उनके राजनीतिक विरोधियों को मिलता रहेगा।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

ऐसा नहीं है कि केंद्र में भाजपा की एनडीए सरकार सब कुछ ठीक कर रही है। लेकिन जैसे ही उसके खिलाफ कोई नैरेटिव आकार लेने लगता है, राहुल गांधी बीच में कूद पड़ते हैं। उनकी गेंदबाजी में इतनी 'लूज बॉल' होती हैं कि भाजपा को उन पर चौके-छक्के लगाने का आसान मौका मिल जाता है। राहुल गांधी शायद इतने बेसब्र हो चुके हैं कि अपनी फेंकी हर गेंद उन्हें गुगली या मिस्ट्री बॉल नजर आती है। उन्हें लगता है कि पलक झपकते ही नरेंद्र मोदी, अमित शाह और भाजपा बोल्ड हो जाएंगे, लेकिन अक्सर होता इसका उलटा है।

मैं पहले भी कहता आया हूं और लिखता रहा हूं कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सशक्त विपक्ष अनिवार्य शर्त है। इसमें कोई शक नहीं कि विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी काफी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन वे बीच-बीच में ऐसी राजनीतिक गलतियां कर बैठते हैं, जो उनकी मेहनत के पूरे ग्राफ को सांप-सीढ़ी के खेल की तरह 99 से सीधे शून्य पर ला देती हैं। छात्रों के बीच उनकी मुहिम का इंदौर प्रसंग इसका उदाहरण है। वे जिस मजबूती से देश के युवाओं को भाजपा के पाले से बाहर लाने की कोशिश कर रहे थे, उसी कार्यक्रम में मंच पर एक स्टैंड-अप कॉमेडियन की आपत्तिजनक हरकत ने पूरे संदेश को पीछे धकेल दिया।

ताजा मामला चुनाव आयोग से जुड़ा है। इंडियन एक्सप्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके दो सहयोगियों के बीच कुछ मुद्दों पर कथित असहमति की खबर प्रकाशित की। रिपोर्ट का दावा था कि दोनों निर्वाचन आयुक्तों की असहमति को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया और कुछ फैसले एकतरफा ढंग से लिए गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दोनों आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। लेकिन, महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों आयुक्तों के किसी अधिकृत बयान अथवा उनके द्वारा ऑफ द रिकॉर्ड कही गई बात का उल्लेख रिपोर्ट में नहीं था। निर्वाचन आयोग ने बाद में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रिपोर्ट के प्रमुख दावों को खारिज कर दिया। यानी मूल विवाद इंडियन एक्सप्रेस और निर्वाचन आयोग के बीच तथ्यात्मक दावों की विश्वसनीयता का था। अखबार के सामने अपनी रिपोर्ट को प्रमाणित करने की चुनौती थी और आयोग के सामने उसे गलत साबित करने की। लेकिन, इससे पहले ही राहुल गांधी अपनी पुरानी 'चुनाव आयोग' वाली किताब खोलकर बैठ गए।

जिस चुनाव आयोग पर राहुल गांधी पहले गंभीर आरोप लगाते रहे हैं, उसी विवाद में आयोग के दो सदस्य उन्हें निर्दोष और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोषी नजर आने लगे। उन्होंने एक तरफ ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर कथित 'वोट चोरी' की साजिश का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार को सरकारी गवाह बनने की सलाह तक दे डाली। यहीं राहुल गांधी की राजनीतिक जल्दबाजी भाजपा के लिए लूज बॉल बन गई। उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते ही भाजपा की ओर से सुधांशु त्रिवेदी मीडिया के सामने आए और राहुल गांधी के आरोपों पर जमकर पलटवार किए। उनका सवाल था- यदि दोनों निर्वाचन आयुक्त वास्तव में मुख्य निर्वाचन आयुक्त से गंभीर रूप से असहमत थे तो क्या उन्होंने स्वयं सार्वजनिक रूप से ऐसा कहा? और यदि किसी निर्णय पर सर्वसम्मति नहीं बनी तो क्या बहुमत से निर्णय लेना असंवैधानिक है?

भाजपा ने इस बहस में टी.एन. शेषन का पुराना उदाहरण भी सामने रखा। शेषन राजीव गांधी के कार्यकाल में कैबिनेट सचिव रहे और बाद में मुख्य निर्वाचन आयुक्त बने। भाजपा की ओर से उद्धृत उनके बयान के अंश में कहा गया कि शेषन ने राजीव गांधी के उन निर्देशों को मानने से इनकार कर दिया था जिसमें उन्होंने आयोग को उनके (राजीव गांधी) मुताबिक़ चुनाव की तारीख घोषित करने को कहा गया था। शेषन का कहना था की यह निर्वाचन आयोग का अधिकार है। कैबिनेट सचिव चुनाव कराने का अनुरोध कर सकता है, लेकिन तारीख तय कराना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इसी बीच पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत का एक इंटरव्यू भी आ गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि निर्वाचन आयुक्तों को किसी फैसले पर असहमति थी तो उन्हें निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत अपनी आपत्ति राष्ट्रपति के समक्ष दर्ज करानी चाहिए थी।

इस विवाद का दूसरा पहलू भी है। केवल इसलिए कि दो निर्वाचन आयुक्त सार्वजनिक रूप से मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ दिखाई दे रहे हैं, यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उनके बीच कभी कोई असहमति हुई ही नहीं। उसी तरह केवल आयोग के खंडन से अखबार की रिपोर्ट स्वतः गलत सिद्ध नहीं हो जाती। सच दस्तावेजों और प्रमाणों से सामने आएगा। यही राहुल गांधी की समस्या है। गंभीर आरोप लगाने से पहले प्रमाणों को इतना मजबूत करना जरूरी है कि विरोधी पक्ष को जवाब देने का आसान अवसर न मिले।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का उद्घाटन... 21 साल बाद फिर सरकारी नियंत्रण वाली बसें

सड़कों पर सुगमता की सवारी 351 बसों से नई शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में 21 साल बाद एक बार फिर सरकार के नियंत्रण वाली सार्वजनिक बस सेवा की शुरुआत हो गई है। इसे 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी से सात शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों से गांवों से लेकर शहरों तक यात्रियों को परिवहन की सुविधा मिलेगी। हर साल ढाई से तीन हजार नई बसें सेवा में जोड़ी जाएंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सेवा से प्रदेश में सुरक्षित और भरोसेमंद सफर की नई शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बदलते मध्यप्रदेश की तस्वीर है।

सरकार का लक्ष्य 2031 तक 15 हजार बसें संचालित करने का है। योजना के पहले चरण में इंदौर में सर्वाधिक 145 बसें संचालित होंगी। भोपाल में 106 और जबलपुर में 67 बसें शुरू हुई हैं।। रीवा, देवास, कटनी और भिंड भी इस सेवा से जुड़ेंगे। योजना में निजी जन भागीदारी मॉडल को बढ़ावा दिया जाएगा। इन बसों को आधुनिक सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है और ये सुरक्षा की दृष्टि से अनुकूल रहेंगी। पारदर्शी अनुबंध प्रणाली और प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएंगी। इस मॉडल के अंतर्गत निजी बस आपरेटरों को विज्ञापन एवं कार्गो सेवाओं जैसे नॉन-फेयर रेवेन्यू से आय बढ़ाने के साथ ही आधुनिक डिपो और टर्मिनल सुविधाओं का उपयोग करने के अवसर मिलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बदलते मध्यप्रदेश की तस्वीर: डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते सीएम डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल।

इंदौर में 145 और भोपाल में 106 बसें

योजना के पहले चरण में इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और भिंड शामिल हैं। इंदौर में 145 बसें चलेंगी। इनमें 50 इंटरसिटी और 95 इंट्रासिटी रूट पर दौड़ेगी। भोपाल से 106 बसें (23 इंटरसिटी-83 इंट्रासिटी), जबलपुर के लिए 67 बसें (14 इंटरसिटी और 53 इंट्रासिटी), रीवा में 18 , देवास में 10, कटनी में 3 और भिंड में 2 इंटरसिटी बसें दौड़ेंगी।

कमांड-कंट्रोल सेंटर से निगरानी

बसों की निगरानी यात्री परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं उसकी सात सहायक कंपनियों में स्थापित कमांड-कंट्रोल सेंटर से की जाएगी। पहले वर्ष में 1,500 बसों के संचालन का लक्ष्य है। इसके बाद हर साल करीब 2,500 से 3,000 बसें जोड़ी जाएंगी। बसों के संचालन और लोकेशन की रियल-टाइम मानिटरिंग इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम से होगी। हर बस में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और वाकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाए जाएंगे। यात्रियों को बस और यात्रा संबंधी जानकारी पैसेंजर इनफारमेशन सिस्टम से मिलेगी। इसके साथ ही कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परिवहन सलाहकार समिति भी बनाई है। यह जमीनी निगरानी करेगी।

प्रशिक्षित चालकों के हाथों में कमान

चालकों को तकनीकी और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इंदौर और छिंदवाड़ा में इंस्टीट्यूट आफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर स्थापित किए गए हैं। पांच रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर भोपाल, बैतूल, छतरपुर, उज्जैन और ग्वालियर में तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा जिला स्तर पर 22 ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर स्थापित होंगे। यहां चालकों को आधुनिक तकनीक, सुरक्षा मानकों तथा इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों के संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इजराइली पीएम की UN स्पीच का बहिष्कार

नेतन्याहू बोले- कोई और कायर है तो बाहर जाए

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया। जैसे ही वो मंच पर आए तो 75 देशों के प्रतिनिधि वॉकआउट करके उनका विरोध करने लगे और बाहर जाने लगे। इस दौरान नेतन्याहू करीब 3 मिनट तक शांत रहे। फिर उन्होंने कहा कि भाषण शुरू करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि अगर यहां कोई और कायर है तो बाहर चला जाए।

'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगे

हालांकि, इस दौरान गैलरी नेतन्याहू के समर्थकों से भरी हुई थी। उन्होंने तालियां बजाकर नेतन्याहू का स्वागत किया और 'अम यिसराइल चाई' यानि 'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगाए। नेतन्याहू ने अपने भाषण में गाजा, ईरान, लेबनान पर इजराइली कार्रवाई का जिक्र किया। ट्रम्प की तारीफ की जबकि न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी और यूरोप के नेताओं की आलोचना की।

सभी मोर्चों पर लड़ाई रुके, तेल पर प्रतिबंध हटे

ईरान ने रखा जंग खत्म करने का 7 दिन का प्लान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ईरान ने अमेरिका के सामने जंग रोकने का 7 दिन का प्लान रखा है। ईरान का कहना है कि सबसे पहले लड़ाई बंद हो और ईरान के तेल बेचने पर लगी पाबंदियों में राहत दी जाए। इसके बाद सातवें दिन होर्मुज स्ट्रेट खोला जाएगा और फिर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई बातचीत शुरू होगी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि अब यह अमेरिका पर निर्भर है कि वह संघर्ष खत्म करना चाहता है या नहीं।

पजशकियान बोले- समझौते के बाद भी हमला हुआ

पजशकियान ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि जून में दोनों देशों के बीच एक समझौते का आधार तैयार हो गया था और ईरान आगे बढ़ने के लिए राजी था। उन्होंने कहा कि उस समय होर्मुज खुला था और बातचीत का रास्ता भी खुला था, लेकिन इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला कर दिया। पजशकियान के मुताबिक, ईरान अब भी बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिकी हमले रुकने जरूरी है।

एशियन गेम्स-2026

भारत को 2 मिनट में गोल्ड-सिल्वर

नागोया, एजेंसी

भारत ने एशियन गेम्स में आज 2 मिनट के अंदर 2 मेडल जीते। सुरुचि और कमलजीत की जोड़ी ने सुबह 9 बजे 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड दिलाया। इसके तुरंत बाद 9:02 बजे 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में भारतीय को सिल्वर मिला। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में भारत को दूसरा गोल्ड मिला है। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने गेम्स का पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। इसके अलावा, भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीम फाइनल में पहुंच गई हैं। स्क्वॉश और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी पदक पक्के हुए हैं। फिलहाल, मेडल टैली में इंडिया 2 स्वर्ण सहित 19 मेडल लेकर 12वें स्थान पर है।

अलर्ट: सागर समेत 16 जिलों में तेज बारिश होगी, सतना में कल भी स्कूलों की छुट्टी

भोपाल/सागर। प्रदेश के आधे हिस्से में आज तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इनमें जबलपुर समेत 13 जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, 16 जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। यहां अगले 24 घंटे में 4 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। प्रदेश में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। टीकमगढ़, छतरपुर, सतना और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। ...पेज-8 भी देखें

हंगामा: जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

श्रीनगर, मुंबई। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक पोस्टर लेकर पहुंचे। इन पर लिखा था कि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। उधर, महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें SIR की संवैधानिक वैधता, प्रक्रिया और लागू करने के तरीके पर सवाल उठाए गए हैं।

मेट्रो एंकर | डॉक्टर दंपती के तलाक केस में टिप्पणी... 'हाउस हसबैंड' अब सामान्य बात होनी चाहिए

हाईकोर्ट ने कहा-कॅरिअर पर फोकस कर रही महिलाएं, पति संभालें घर

चेन्नई, एजेंसी

महिलाओं के करियर पर ध्यान देने और बदलती पारिवारिक भूमिकाओं के बीच मद्रास हाईकोर्ट की एक टिप्पणी ने नई बहस छेड़ दी है। मदुरै पीठ ने कहा कि महिलाएं जब पेशेवर जीवन में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, तो परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी केवल पत्नी की जिम्मेदारी नहीं है। अगर परिवार में 'हाउसवाइफ' हो सकती है, तो 'हाउस हसबैंड' भी हो सकता है और इसे सामान्य बात के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस एमडी सुमति की पीठ ने यह टिप्पणी एक डॉक्टर दंपती के वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान की। दोनों की शादी 2011 में हुई थी और वे एक ही अस्पताल में काम करते थे। पति ने आगे की विशेषज्ञ पढ़ाई के लिए अपना करियर जारी रखा, जबकि पत्नी अपने माता-पिता के घर रहकर बच्चों की देखभाल करती रहीं। दंपती के दो बच्चे हैं, जिनका जन्म 2012 और 2016 में हुआ। बाद में कोविड महामारी के दौरान परिवार साथ रहा, लेकिन इसके बाद रिश्ते में विवाद बढ़ गया। पत्नी ने वैवाहिक अधिकार बहाली की मांग की, जबकि पति ने तलाक के लिए याचिका दायर की। फैमिली कोर्ट से दोनों पक्षों को राहत नहीं मिली तो मामला हाईकोर्ट पहुंचा।

सुनवाई के दौरान अदालत ने बदलते सामाजिक और पेशेवर माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि पारंपरिक रूप से पति से आर्थिक संसाधन जुटाने और पत्नी से घर संभालने की अपेक्षा की जाती रही है, लेकिन दोनों भूमिकाएं समान सम्मान की हकदार हैं। पीठ ने कहा कि आईटी और अन्य पेशेवर क्षेत्रों में कुछ महिलाएं शादी को अपने करियर में बाधा मानकर विवाह से दूर रहने का फैसला कर रही हैं। अदालत ने इसी संदर्भ में पति के 'होममेकर' की भूमिका अपनाने को संभावित समाधान के तौर पर सामने रखा।

पत्नी और बच्चों को 2.5 करोड़ देगा पति

अदालत ने 'होममेकर' शब्द को लैंगिक रूप से तटस्थ बताते हुए कहा कि घर संभालने की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए। अंततः दोनों पक्ष तलाक के लिए सहमत हुए। पति ने बच्चों के भविष्य और अपनी वित्तीय जिम्मेदारियों को देखते हुए कुल 2.5 करोड़ रुपये देने पर सहमति जताई। हाईकोर्ट ने पत्नी के नाम 1.5 करोड़ रुपये जमा करने और दोनों बच्चों के नाम 50-50 लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया। पत्नी के लिए राशि तीन महीने में और बच्चों के लिए राशि एक वर्ष के भीतर जमा करने को कहा गया। इसके साथ अदालत ने विवाह को समाप्त कर दिया।

कोयले की चिंता

बिजली की रोशनी आज जीवन की ऐसी आवश्यकता बन चुकी है, जिसकी निर्बाध उपलब्धता को हम लगभग स्वाभाविक मानने लगे हैं। लेकिन त्योहारों के मौसम से पहले ताप विद्युत संयंत्रों में घटता कोयला भंडार इस सहज भरोसे के पीछे छिपी चुनौती की याद दिलाता है। आने वाले दिनों में बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है और ऐसे समय में ईंधन की कमी ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर संकेत है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर के मध्य तक देश के 190 ताप विद्युत संयंत्रों में 74 में कोयले का भंडार निर्धारित मानक के 25 फीसदी से भी नीचे पहुंच गया था। कुछ संयंत्रों के पास तीन दिन से भी कम समय का ईंधन बचा था। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की बिजली व्यवस्था में ताप विद्युत की भूमिका अभी भी बड़ी है। मगर इस चुनौती को केवल कोयले की कमी कहना सही तस्वीर नहीं होगी। खदानों में कोयला उपलब्ध होने के बावजूद यदि वह समय पर बिजली संयंत्रों तक नहीं पहुंच पा रहा है तो समस्या उत्पादन से अधिक आपूर्ति तंत्र की बन जाती है। मानसून की भारी बारिश से खनन और ढुलाई प्रभावित हुई, जबकि गर्म परिस्थितियों और बढ़ती खपत ने कोयले की मांग बढ़ा दी। यानी खदान से लेकर परिवहन, भंडारण और संयंत्र तक पूरी शृंखला की क्षमता की परीक्षा हो रही है। अक्षय ऊर्जा के विस्तार ने निश्चित रूप से ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा दी है, लेकिन सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन मौसम और समय पर निर्भर करता है। पर्याप्त बड़े पैमाने की ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित होने तक ताप विद्युत संयंत्रों की भूमिका बनी रहेगी। इसलिए इस व्यवस्था की ईंधन जरूरतों को नजरअंदाज करना व्यावहारिक नहीं होगा। आने वाले वर्षों में शहरीकरण, आर्थिक गतिविधियों और विद्युत उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण बिजली की मांग और बढ़ सकती है। ऐसे में तैयारी केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पर्याप्त बफर स्टॉक, मजबूत परिवहन नेटवर्क, बेहतर मांग पूर्वानुमान और ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण समानांतर रूप से जरूरी है। ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल बिजली पैदा करना नहीं, बल्कि जरूरत के समय उसके लिए आवश्यक ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी है। रोशनी की निरंतरता के लिए खदान से बिजलीघर तक हर कड़ी मजबूत होनी चाहिए।

छात्रों की आत्महत्या के मामले गंभीर... व्यवस्था में बड़े परिवर्तन की जरूरत

डॉ. योगेन्द्र श्रीवास्तव
स्तंभकार

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लीक में मंत्री के इस्तीफे को सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की माँग की जा रही है। एससी/एसटी एक्ट के अतार्किक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भीड़तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं।

ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जय शेट्टी अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झूठ सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झूठ भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते हैं।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिये अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साथियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।

उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतज़ार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेंगी। शिक्षाशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दीनदयाल उपाध्याय जयंती

अंत्योदय केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, कार्यशैली का स्थायी हिस्सा बने

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

हर साल 25 सितंबर को देश में अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर शुरू किए गए इस दिवस का एक प्रशासनिक और सामाजिक लक्ष्य समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का आर्थिक और सामाजिक उत्थान करना है। 2014 में जब केंद्र सरकार ने इस दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की घोषणा की थी, तब उद्देश्य यही था कि विकास की नीतियां केवल शहरी और संपन्न वर्ग तक सीमित न रहें, बल्कि देश के सुदूर गांवों और वंचित तबकों तक पहुंचे। लेकिन आज इस व्यवस्थागत सफर के एक दशक से अधिक समय बाद, यह आत्मनिरीक्षण करना जरूरी है कि हमारी योजनाएं ज़मीन पर कितनी प्रभावी साबित हुई हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन किसी जटिल आर्थिक सिद्धांत पर आधारित नहीं था, बल्कि वह बेहद व्यावहारिक था। उनका मानना था कि किसी भी कल्याणकारी राज्य की सफलता का पैमाना उसकी सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर या बड़े बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं हो सकता। विकास का वास्तविक मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि देश के सबसे गरीब और संसाधनहीन नागरिक को भोजन, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल पा रही हैं या नहीं। आज जब भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, तब इस अंत्योदय दर्शन की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। यदि हम विकास के नीतिगत और सांख्यिकीय ढांचे को देखें, तो सरकार ने कई मोर्चों पर बजटीय आवंटन और ढांचागत सुधार किए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अब तक देश के लगभग 10.05 करोड़ ग्रामीण परिवारों को जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही ग्रामीण महिलाओं के 92 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह काम कर रहे हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के माध्यम से पीएम-यशस्वी और पीएम-दक्ष जैसी कौशल विकास योजनाएं चलाई जा रही हैं, ताकि अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और विमुक्त समुदायों के युवाओं को सीधे तकनीकी प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी योजनाओं के माध्यम से वंचित वर्ग के मेधावी छात्रों को प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। इन तमाम प्रशासनिक प्रयासों और आंकड़ों के बावजूद, ग्राउंड ज़ीरो यानी ज़मीनी हकीकत में चुनौतियां जस की तस बनी हुई हैं। नीतियों का कागज़ पर उत्कृष्ट होना एक बात है, लेकिन उनका अंतिम लाभार्थी तक बिना किसी रुकावट के पहुँचना दूसरी बात है। आज भी देश के कई हिस्सों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीकी खामियों, जैसे बायोमेट्रिक सत्यापन न होने के कारण गरीबों को राशन के लिए परेशानी उठानी पड़ती है।

प्रशासनिक बिचौलियों और स्थानीय स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार आज भी उस आख़िरी आदमी के अधिकारों का हनन कर रहा है। मुफ्त राशन या सब्सिडी तात्कालिक राहत के लिए अनिवार्य हो सकती हैं, लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं हैं। असली अंत्योदय तब सिद्ध होगा जब देश के अंतिम व्यक्ति को खैरात के बजाय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और गरिमापूर्ण रोजगार के समान अवसर मिलेंगे। जब तक हम अपने मानव संसाधन को केवल उपभोक्ता बनाए रखने के बजाय उत्पादक नहीं बनाएंगे, तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। समाचार माध्यमों में अक्सर बड़े नीतिगत बदलावों और कॉर्पोरेट जगत की हलचलों को प्रमुखता मिलती है, लेकिन 25 सितंबर का यह दिन हमें इस बात के लिए प्रेरित करता है कि हम अपनी प्राथमिकताओं के केंद्र में देश के उस गरीब नागरिक को रखें, जो मुख्यधारा से कटा हुआ है। यह दिन सरकारों और अफ़सरशाही के लिए अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने का नहीं, बल्कि व्यवस्थागत कमियों को दूर करने और जवाबदेही तय करने का अवसर है। देश का वास्तविक विकास उसी दिन सुनिश्चित होगा, जब अंत्योदय केवल एक वार्षिक आयोजन या राजनीतिक नारा न रहकर प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यशैली का स्थायी हिस्सा बन जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

परिवार में रूमेटाइड अर्थराइटिस है तो बढ़ सकता है बीमारी का खतरा

अगर माता-पिता या परिवार के किसी करीबी सदस्य को रूमेटाइड अर्थराइटिस (आरए) है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या यह बीमारी अगली पीढ़ी में भी पहुंच सकती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस में आनुवंशिक भूमिका जरूर होती है, लेकिन इसे पूरी तरह आनुवंशिक बीमारी नहीं माना जाता। यह एक मल्टीफैक्टोरियल ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें जीन्स के साथ धूम्रपान और अन्य पर्यावरणीय कारक भी भूमिका निभाते हैं। इसलिए परिवार में किसी को आरए होने का मतलब यह नहीं है कि बच्चों को भी यह बीमारी निश्चित रूप से होगी।

रूमेटाइड अर्थराइटिस में कई आनुवंशिक वेरिएंट बीमारी की संवेदनशीलता से जुड़े पाए गए हैं। इनमें HLA-DRB1 सबसे महत्वपूर्ण आनुवंशिक क्षेत्रों में से एक है। इसके कुछ वेरिएंट को 'शेयर्ड एपिटोप' कहा जाता है। ये प्रतिरक्षा तंत्र के काम करने के तरीके से जुड़े होते हैं और खासकर सीरोपॉजिटिव रूमेटाइड अर्थराइटिस के जोखिम से संबंध रखते हैं। इसका अर्थ यह है कि किसी व्यक्ति को माता-पिता से ऐसी आनुवंशिक संवेदनशीलता मिल सकती है, जिससे आरए का जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में बढ़ जाए। लेकिन केवल जीन्स के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि व्यक्ति को भविष्य में बीमारी होगी ही।

अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों के फर्स्ट-डिग्री रिलेटिव, यानी माता-पिता, भाई या बहन को आरए है, उनमें बीमारी का जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में अधिक हो सकता है। उपलब्ध शोध में यह संबंध विशेष रूप से सीरोपॉजिटिव आरए के लिए देखा गया है।

धूम्रपान से बढ़ सकता है जोखिम: रूमेटाइड अर्थराइटिस के मामले में जीन्स और पर्यावरण के बीच संबंध को समझने में धूम्रपान महत्वपूर्ण उदाहरण है। शोध में HLA-DRB1 के 'शेयर्ड एपिटोप' वेरिएंट और धूम्रपान के बीच ऐसा संबंध पाया गया है, जिसमें दोनों की मौजूदगी खासकर सीरोपॉजिटिव आरए के जोखिम को बढ़ाती है। एक अध्ययन में HLA-DRB1 शेयर्ड एपिटोप वाले वर्तमान धूम्रपान करने वालों में सीरोपॉजिटिव आरए का जोखिम उन लोगों की तुलना में काफी अधिक पाया गया, जिनमें यह आनुवंशिक संवेदनशीलता और धूम्रपान दोनों नहीं थे। अन्य शोधों में भी धूम्रपान की मात्रा बढ़ने के साथ जोखिम बढ़ने का संबंध सामने आया है। परिवार में रूमेटाइड अर्थराइटिस होने पर घबराने की जरूरत नहीं है। आनुवंशिक जोखिम को बदला नहीं जा सकता, लेकिन धूम्रपान से बचना एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि लगातार जोड़ों में दर्द, सूजन, गर्माहट या खासकर सुबह के समय लंबे समय तक जोड़ों में अकड़न रहने लगे, तो इसे सामान्य दर्द मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

निशाना

वफ़ादार मुंह रहे ताकते गद्दी टिकी है गद्दारों पर

ब्रजकिशोर पटेल

मक्कारों की जयकारों पर।
दीवाने फूलों हारों पर।।
वफ़ादार मुंह रहे ताकते।
गद्दी टिकी है गद्दारों पर।।
ऊँची कुरसी के पाते ही।
टंगे शहर की दीवारों पर।।
पावर देखो राजनीति का।
हावी हो गयी व्यापारों पर।।
गिनने आये पांव के छाले।
बैठे हैं महंगी कारों पर।।
अब पछताने से क्या होगा।
किया भरोसा बटमारों पर।।
किस पर करे भरोसा जनता।
नहीं भरोसा सरकारों पर।।
कटा फटा चेहरा चरित्र का।
शोहरत निर्भर अखबारों पर।।
लोकतंत्र है बड़ा बेशरम।
हंस देता है धिक्कारों पर।।

टेक्नो - अपडेट

जिली की नई चार्जिंग तकनीक से चार मिनट में ईवी होगी हो जाएगी तैयार

इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चार्जिंग में लगने वाला समय है, लेकिन चीन की ऑटोमोबाइल कंपनी जिली ने इस चुनौती को कम करने की दिशा में बड़ी तकनीकी छलांग का दावा किया है। कंपनी ने 2.2 मेगावॉट तक पीक आउटपुट देने वाली एआई-पावर्ड चार्जिंग तकनीक पेश की है। जिली के मुताबिक, नई तकनीक का संचालन उसके एडवांस एनर्जी लार्ज मॉडल Xingrui PowerMind के जरिए होता है। इसका प्रमुख हिस्सा Geely Smart Charge स्टेशन है, जिसकी सिंगल-गन पीक पावर 2250 किलोवॉट यानी करीब 2.2 मेगावॉट बताई गई है। कंपनी का दावा है कि यह ऑटोमोबाइल क्षेत्र में चार्जिंग पावर के लिहाज से नया स्तर स्थापित करती है।

इस तकनीक में Extreme Charge, Smart Charge और Auto Charge जैसी क्षमताएं शामिल हैं। इनमें सबसे अहम भूमिका एआई आधारित थर्मल प्रेडिक्शन सिस्टम की है। यह सिस्टम बैटरी के तापमान में होने वाले बदलाव को करीब 30 सेकेंड पहले पहचानने का दावा करता है और उसी के अनुसार चार्जिंग पावर को अपने आप नियंत्रित करता है। इसका उद्देश्य तेज चार्जिंग के दौरान बैटरी के तापमान को सुरक्षित दायरे में बनाए रखना है। जिली के अनुसार, चार्जिंग के दौरान बैटरी का औसत तापमान 55 डिग्री सेल्सियस से नीचे और अधिकतम तापमान 65 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखा जाता है। चीन के CATARC के टेस्ट डेटा के अनुसार, इस तकनीक से लैस Lynk & Co 10 ने 1093 किलोवॉट की पीक चार्जिंग पावर हासिल की है।

जिली ने चार्जिंग तकनीक के साथ नई पीढ़ी की अल्ट्रा-शॉर्ट ब्लेड बैटरियां भी पेश की हैं। इनमें 12C बैटरी 395 एमएम आकार में उपलब्ध है और इसे Lynk & Co 10 तथा Zeekr 001 जैसे मॉडल में इस्तेमाल किया गया है। कंपनी के अनुसार, सामान्य तापमान की स्थिति में यह बैटरी केवल 4 मिनट 30 सेकेंड में 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है, जबकि 10 से 97 प्रतिशत चार्ज होने में करीब 8 मिनट 40 सेकेंड लगते हैं। दूसरी ओर 6C वाली 370 एमएम बैटरी नई Geely Galaxy E5 में दी गई है। यह करीब 8 मिनट 25 सेकेंड में बैटरी को 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज करने में सक्षम बताई गई है। जिली केवल चार्जिंग तकनीक विकसित करने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि इसके लिए बड़ा चार्जिंग नेटवर्क भी तैयार कर रही है। कंपनी ने 2027 के अंत तक पूरे चीन में एक लाख से अधिक चार्जिंग गन तैनात करने का लक्ष्य रखा है। इनमें 50 हजार से ज्यादा जिली स्मार्ट चार्जर यूनिट शामिल होंगी। नई तकनीक से लैस वाहनों के शुरुआती खरीदारों के लिए कंपनी ने चार्जिंग भत्ते की भी घोषणा की है।

वायरल-कंटेंट

आठ करोड़ की भेड़ और वजन 200 किलो खरीदने के लिए पांच देशों से पहुंचे लोग

अगर कोई कहे कि एक भेड़ की कीमत करीब आठ करोड़ रुपये है, तो यकीन करना मुश्किल होगा। लेकिन किर्गिस्तान में अराशान नस्ल की एक भेड़ करीब 10 लाख डॉलर यानी लगभग आठ करोड़ रुपये में बिकने की खबर के बाद चर्चा में है। खास बात यह है कि इस भेड़ का वजन करीब 200 किलो बताया गया है। इसकी बिक्री में सिर्फ किर्गिस्तान के लोग ही नहीं, बल्कि चार अन्य देशों से आए खरीदारों ने भी दिलचस्पी दिखाई।

दरअसल, अराशान किर्गिस्तान में विकसित की गई खास नस्ल है। इसे वर्ष 2021 में आधिकारिक तौर पर अलग नस्ल के रूप में मान्यता मिली थी। इस नस्ल की भेड़ें अपने बड़े शरीर, भारी वजन और मजबूत बनावट के लिए पहचानी जाती हैं। कुछ अराशान भेड़ों का वजन 200 किलो से भी अधिक होने की बात कही जाती है। इन्हें मुख्य रूप से मांस और चर्बी के लिए पाला जाता है। अच्छी नस्ल, शरीर का आकार, वजन और प्रजनन क्षमता जैसी खूबियां इनकी कीमत को सामान्य भेड़ों की तुलना में कई गुना बढ़ा देती हैं।

करीब आठ करोड़ रुपये में बिकने वाली इस भेड़ को 'फ्रैंकल' नाम की भेड़ का बेटा बताया गया है। फ्रैंकल भी अपनी कीमत को लेकर चर्चा में रह चुका है। वर्ष 2023 में उसे करीब 1.3 करोड़ रुपये में बेचे जाने की जानकारी सामने आई थी। ऐसे में उसके वंश की भेड़ों की खासियत और बाजार में मांग ने इस परिवार को और खास बना दिया है।

इस भेड़ की बिक्री 'इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ अराशान शीप ब्रीड' में की गई। कार्यक्रम में किर्गिस्तान के अलावा कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान से भी लोग पहुंचे। पांच देशों के खरीदारों और पशुपालकों की मौजूदगी ने अराशान नस्ल के प्रति क्षेत्रीय दिलचस्पी को दिखाया। खास नस्ल के पशुओं की खरीद-बिक्री में सिर्फ वर्तमान वजन या आकार ही नहीं देखा जाता, बल्कि उनके वंश और भविष्य में अच्छी नस्ल तैयार करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है।

आठ करोड़ रुपये की कीमत वाली इस भेड़ की खबर सोशल मीडिया पर भी लोगों के लिए हैरानी का विषय बनी हुई है। आम तौर पर भेड़ की कीमत हजारों या कुछ मामलों में लाखों रुपये तक सुनने को मिलती है, इसलिए करोड़ों की कीमत ने लोगों का ध्यान खींचा है। हालांकि, पशुपालन की दुनिया में चुनिंदा नस्ल के जानवरों की कीमत कई बार असाधारण स्तर तक पहुंच जाती है। अराशान भेड़ भी इसी वजह से खास मानी जा रही है। उसका भारी शरीर, नस्लीय गुण, वंश और प्रजनन क्षमता उसे सामान्य भेड़ों से अलग बनाते हैं। यही कारण है कि किर्गिस्तान की यह भेड़ अब अपनी असाधारण कीमत और करीब 200 किलो वजन के कारण सोशल मीडिया पर वायरल कंटेंट का हिस्सा बनी हुई है।

ईओडब्ल्यू ने चार निजी फर्म और उनके साझेदारों पर लिया एक्शन, बैंक अधिकारियों के खिलाफ भी एफआईआर

पॉलीहाउस बना नहीं, 33 किसानों के नाम पर 7.80 करोड़ का फर्जीवाड़ा

इंदौर, दोपहर मेट्रो

कागजों में पॉलीहाउस बनाकर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने निजी फर्म के साझेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। आरोपितों द्वारा संगठित रूप से मामला बैंक ऑफ बड़ौदा की खरगोन शाखा से जुड़े 33 ऋण प्रकरणों और सात करोड़ 80 लाख 85 हजार रुपये का है। जांच में बैंक अधिकारियों, निजी फर्मों और उनके साझेदारों के बीच मिलीभगत का आरोप भी सामने आया है।

ईओडब्ल्यू एसपी रामेश्वर यादव के अनुसार एवीआईडी एग्रीकल्चर साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को पांच पॉलीहाउस बनाने थे, लेकिन दो का भी निर्माण नहीं किया गया। इसके बावजूद पांचों के कूटरचित कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र तैयार कर बैंक से भुगतान प्राप्त करने का आरोप है। इसी तरह किसान एग्रो को 20 पॉलीहाउस बनाने थे।

आरोप है कि बिना निर्माण कराए सभी 20 के कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र तैयार किए गए और डीसीसी बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान ले लिया गया। सिरांश टेक्नो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आठ पॉलीहाउस बनाने के लिए एजेंसी के रूप में तय किया गया था। जांच में आरोप है कि यहां भी निर्माण के बिना कूटरचित प्रमाणपत्र तैयार कर भुगतान हासिल किया गया।

इन पर एफआईआर

ईओडब्ल्यू ने राज इको फार्म्स व उसके साझेदार राजेंद्रसिंह तंवर और नितिन गांवशिंदे, सिरांश टेक्नो इंडिया प्रालि के डायरेक्टर सौरभ दुबे, किसान एग्रो के साझेदार नरेंद्र पंवार, एवीआइडी एग्रीकल्चर साल्यूशन प्रालि के डायरेक्टर बजपालसिंह चौधरी व अविनाश पाटीदार, नारायणसिंह तंवर, तत्कालीन मुख्य शाखा प्रबंधक केके सरवटे, ऋण प्रबंधक शुभम सोहनी, तत्कालीन बैंक अधिकारी चंद्रशेखर राठौड़ सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कहीं लोन से पहले तो कहीं भुगतान वाले दिन प्रमाणपत्र

जांच में ईओडब्ल्यू को सभी कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्रथम दृष्टया कूटरचित मिले। सबसे अहम तथ्य यह सामने आया कि 33 में से तीन मामलों में जिस दिन लोन राशि का भुगतान हुआ, उसी दिन कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर दिया गया। 12 मामलों में भुगतान की तारीख से पहले ही प्रमाणपत्र तैयार था, जबकि 16 प्रकरणों में लोन स्वीकृत होने की तारीख से भी पहले कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र बना हुआ था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक किसानों का भरोसा हासिल कर उनसे भूमि संबंधी दस्तावेज लिए गए। फिर उनके नाम पर ऋण स्वीकृत कर निजी फर्मों को राशि का भुगतान कराया गया। जांच में इसे किसानों और बैंक के साथ धोखाधड़ी का हिस्सा माना गया है। जांच में ग्राम भीलगांव, तहसील कसरावद, खरगोन निवासी नारायण सिंह पुत्र मानसिंह तंवर का प्रकरण भी सामने आया। उसकी कृषि भूमि बैंक आफ बड़ौदा की खरगोन शाखा में पहले से बंधक थी। इसके बावजूद बैंक की सहमति और एनओसी लिए बिना उसी जमीन को दोबारा बंधक रखकर सात दिसंबर 2015 को 1.90 करोड़ रुपये का कैश क्रेडिट ऋण स्वीकृत किए जाने का आरोप है। ईओडब्ल्यू के अनुसार नारायण सिंह, राजेंद्रसिंह तंवर, नितिन गांवशिंदे और तत्कालीन मुख्य शाखा प्रबंधक केके सरवटे ने आपस में साजिश कर बैंक में बंधक संपत्ति का बंटांकन कराकर उसका लैंड यूज परिवर्तन कराया और फिर उसी बैंक में दोबारा बंधक रख दिया। इस प्रकरण में बैंक को 1.90 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आर्थिक क्षति का आरोप है। इस तरह 7.80 करोड़ रुपये के पॉलीहाउस ऋण और कथित कूटरचित पुनर्बंधक से 1.90 करोड़ रुपये, यानी कुल नौ करोड़ 70 लाख 85 हजार रुपये की बैंक को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप एफआईआर में लगाया गया है।

मुख्यमंत्री ने 106 छात्रावासों में आधुनिक मेस सुविधा का किया लोकार्पण

पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में अब पौष्टिक भोजन की आधुनिक व्यवस्था, हजारों विद्यार्थियों को लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को अब छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन की सुविधा मिलेगी। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के कल्याण और उनकी पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में 106 पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में आधुनिक मेस सुविधा शुरू की है। इससे करीब 9 हजार विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस सुविधा का लोकार्पण किया। आधुनिक मेस व्यवस्था पर 8 करोड़ 61 लाख रुपए की राशि खर्च की गई है।

मुख्यमंत्री ने आधुनिक मेस सुविधा शुरू होने पर पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को बधाई देते हुए कहा कि बदलते दौर के साथ छात्रावासों में भी आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ बेहतर आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश युवा भारत का सबसे युवा राज्य है और प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

डेढ़ दशक में पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों को 13,500 करोड़ की सहायता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। पिछले लगभग डेढ़ दशक में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को करीब 13 हजार 500 करोड़ रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। इस अवधि में 5 करोड़ से अधिक पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ मिला है।

छात्राओं से जाना आधुनिक मेस का अनुभव

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर, शाजापुर, उज्जैन, देवास, शिवपुरी, सतना और अशोकनगर के पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं से संवाद किया। छात्राओं ने बताया कि पहले गैस सिलेंडर की व्यवस्था करने अथवा भोजन के लिए दूसरी जगह जाने में समय लगता था। इसके अलावा भोजन पर अतिरिक्त खर्च भी होता था। आधुनिक मेस सुविधा शुरू होने से अब छात्रावास में ही भोजन की व्यवस्था हो सकेगी। छात्राओं ने मुख्यमंत्री को आधुनिक मेस सुविधा शुरू करवाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि छात्रावास परिसर में ही नियमित भोजन मिलने से समय की बचत होगी और पढ़ाई के लिए अधिक समय मिल सकेगा। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के समग्र विकास का संकल्प लिया है। इसी दिशा में टर्नकी परियोजना के तहत छात्रावासों में आधुनिक रसोई और भोजन कक्ष तैयार किए गए हैं। अब विद्यार्थियों को छात्रावास में ही पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सकेगा।

भोजन से पढ़ाई में बढ़ेगी एकाग्रता

राज्य मंत्री गौर ने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर नियमित और पौष्टिक भोजन मिलने से वे पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। इससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए लगभग 9 हजार छात्रावास सीटें उपलब्ध हैं। इनमें करीब 5,200 सीटें बालकों और 3,800 सीटें बालिकाओं के लिए हैं। जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रावास शुरू होने के बाद पहली बार विद्यार्थियों के लिए व्यवस्थित मेस सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने इसे विभाग की योजनाओं में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से अनेक जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

दाल की कीमतों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

एक सप्ताह में तुवर 10 रुपए महंगी, चना-मूंग-उड़द-मसूर के भाव भी बढ़े, और महंगे होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

त्योहारी सीजन शुरू होते ही दालों की बढ़ती कीमत ने घर का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। भोपाल के थोक बाजार में एक सप्ताह में तुवर दाल करीब 10 रुपये किलो महंगी हो गई। 1 सितंबर से अब तक इसके भाव में करीब 19 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके साथ चना, मूंग, उड़द और मसूर के दाम भी ऊपर गए हैं। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू के अनुसार, अच्छी गुणवत्ता वाली तुवर दाल करीब एक सप्ताह पहले 119 रुपये किलो थी, जो अब 130 रुपये किलो तक पहुंच गई है। 1 सितंबर को इसका भाव करीब 111 रुपये किलो था।

दालों में तेजी का असर सिर्फ तुवर तक सीमित नहीं है। सितंबर की शुरुआत की तुलना में चना दाल 76 से बढ़कर 80 रुपये किलो, हरी मूंग 85 से 89 रुपये, मूंग मोगर 91 से 93 रुपये, उड़द मोगर 102 से 105 रुपये और मसूर 73 से 76 रुपये किलो तक पहुंच गई है। व्यापारियों के मुताबिक दालों के दाम बढ़ने की बड़ी वजह मांग और उपलब्धता के बीच अंतर है। गणेश उत्सव के बाद नवरात्रि, दीपावली और फिर शादी का सीजन आने वाला है। इन दिनों दालों की खपत बढ़ती है। इसी को देखते हुए व्यापारी और मिलर्स पहले से स्टॉक जुटा रहे हैं। दूसरी ओर उत्पादक राज्यों से मंडियों में आवक सामान्य से कम रहने और पुराना स्टॉक घटने से बाजार में उपलब्धता पर दबाव बना है। नई फसल की पर्याप्त आवक शुरू होने में अभी समय है। ऐसे में मांग बढ़ने और माल सीमित रहने से कीमतें ऊपर जा रही हैं।

बारिश से लेकर आयात तक, कई कारण डाल रहे असर

विवेक साहू के अनुसार दालों के भाव केवल स्थानीय मांग से तय नहीं हो रहे हैं। दलहन उत्पादक क्षेत्रों में बारिश, मौसम, बुवाई और उत्पादन का अनुमान भी बाजार पर असर डाल रहा है। इसके अलावा भारत की आयात जरूरत के कारण म्यांमार और कनाडा जैसे देशों से आने वाली दालों की कीमत और उपलब्धता भी घरेलू बाजार को प्रभावित करती है। आयातित माल की परिवहन और अन्य लागत बढ़ने पर उसका असर थोक बाजार से होते हुए खुदरा कीमतों तक पहुंचता है। यानी बाजार में आने वाला महंगा माल सीधे उपभोक्ता की जेब पर असर डालता है। विवेक साहू ने हाल में शक्कर के बाजार में आई तेजी का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकारी हस्तक्षेप और बाजार में उपलब्धता बढ़ने के बाद शक्कर के दाम नीचे आए। उनका कहना है कि दालों में भी यदि पर्याप्त बफर स्टॉक खुले बाजार में उतारा जाए तो कीमतों पर दबाव कम किया जा सकता है।

'शहर नदी संवाद 2026' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शहरों की तरक्की के साथ-साथ नदियों का संरक्षण प्राथमिकता : आयुक्त भोंडवे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि शहरों का विकास और नदियों का संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। नदियां केवल पर्यावरण और समृद्ध जैव विविधता का आधार नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जल सुरक्षा की महत्वपूर्ण संवाहिका भी हैं। इसलिए आधुनिक शहरी नियोजन में नदी के साथ उसकी सहायक धाराओं, जलग्रहण क्षेत्रों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को प्राथमिकता देना जरूरी है। आयुक्त संकेत भोंडवे गुरुवार को स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल में आयोजित 'शहर नदी संवाद 2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच जल प्रणालियों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि शहरों के सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की आवश्यकता है। इसके लिए विकास योजनाओं में प्राकृतिक जल संरचनाओं को केंद्र में रखना होगा। भोंडवे ने कहा कि नदी संरक्षण का दायरा केवल मुख्य नदी के प्रवाह तक सीमित नहीं होना चाहिए। छोटी सहायक धाराएं और हैडवॉटर स्ट्रीम्स नदी तंत्र की आधारभूत कड़ी हैं। इनका संरक्षण निरंतर जल प्रवाह, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता को मजबूत करता है।

34 लाख मतदाताओं के नाम हटे-निर्वाचन आयोग घेरेगी कांग्रेस

पटवारी बोले- ईसी पर कार्रवाई तक आंदोलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। प्रदेश कांग्रेस सोमवार को भोपाल स्थित निर्वाचन सदन का घेराव करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। कांग्रेस ने अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 34 लाख 25 हजार 78 नामों का विधानसभा, जिला और कारणवार ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग भी की है। पटवारी ने कहा कि निर्वाचन सदन के घेराव के बाद प्रदेश के सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। उनका कहना है कि कलेक्टर ही जिला निर्वाचन अधिकारी होते हैं, इसलिए मतदाता सूची से जुड़े सवालों को लेकर जिला स्तर पर भी कांग्रेस आंदोलन करेगी। यह ऐलान चुनाव आयोग के भीतर दर्ज कथित आपत्तियों, एसआईआर और मध्य प्रदेश की मतदाता सूची में हुए बदलाव को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया गया। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस का सवाल किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि मतदाता सूची की पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकार से जुड़ा है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और कार्रवाई की मांग

पटवारी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस आंदोलन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि तीन दिन बाद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी, जिसमें देशभर में आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी। रिपोर्ट में आयोग के भीतर दो चुनाव आयुक्तों की ओर से 10 महीनों में कम से कम 14 आपत्तियां दर्ज किए जाने का उल्लेख है। आयोग ने इन नोट्स के अस्तित्व और तारीखों पर विवाद नहीं किया है, लेकिन उन्हें सुझाव बताया और कहा कि पिछले एक साल के फैसले सर्वसम्मति से हुए।

इंदौर में कम बारिश का असर दिखा तालाबों में

यशवंत सागर अब भी 3 फीट खाली, प्रभावित होगी जलापूर्ति

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर में कम बारिश का असर शहर के तालाबों पर अब नजर आने लगा है। तालाब अभी भी पूरे नहीं भर पाए हैं। शहर के बड़े हिस्से की प्यास बुझाने वाला यशवंत सागर तालाब तीन फीट पानी कम होने के कारण अभी पूरा नहीं भर पाया है। पिछले साल तालाब ओवरफ्लो हो गया था, लेकिन फिलहाल 16 फीट पानी भरा हुआ है। इस तालाब से पांच टंकियों से सप्लाई होती है। हर दिन 30 एमएलडी पानी लिया जाता है। यदि तालाब पूरा नहीं भरा तो अगले साल मार्च के बाद तालाब से 30 एमएलडी से कम पानी मिल पाएगा, क्योंकि तालाब जल्दी खाली हो जाएगा।

खंडवा रोड क्षेत्र की कॉलोनियों का भूजल स्तर बिलावली तालाब के कारण अच्छा रहता है, लेकिन इस साल बिलावली भी नहीं भर पाया है। पूरा सावन सूखा रहा, लेकिन अब भादों में शहरवासी अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। शहर के सिरपुर तालाब में भी 11 फीट पानी है, जबकि छोटे सिरपुर तालाब में 14 फीट पानी भरा हुआ है। ये दोनों तालाब भी इस बार ओवरफ्लो नहीं हो पाए।

मेट्रो एंकर

उज्जैन के गयाकोठा तीर्थ की बदहाली

सात साल में करोड़ों खर्च, फिर भी श्राद्ध पक्ष में श्रद्धालु बेहाल

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

श्राद्ध पक्ष की शुरुआत होने वाली है और देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अपने पितरों के तर्पण और पिंडदान के लिए धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचने लगे हैं। लेकिन मंगलनाथ मार्ग स्थित पौराणिक एवं ऐतिहासिक गयाकोठा तीर्थ की स्थिति इस वर्ष भी जस की तस बनी हुई है। वर्ष 2018 में स्वीकृत हुए विकास कार्य 7 साल बीत जाने और करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद अब तक पूरे नहीं हो सके हैं। मूलभूत सुविधाओं के अभाव और अधूरे निर्माण कार्यों के कारण बारिश के बीच आने वाले श्रद्धालुओं को भारी बदहाली और असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

2018 में शुरू हुआ विकास, अब तक अधूरा- बताया जाता है कि वर्ष 2018 में तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह की पहल पर गयाकोठा तीर्थ स्थल को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया था। धर्मस्व विभाग ने इसके कायाकल्प के लिए 10.63 करोड़ रुपये की योजना मंजूर की थी। निर्माण एजेंसी हाउसिंग बोर्ड ने शुरुआत में तेजी से काम कराया। शासन से मिले 4 करोड़ रुपये से पहले चरण में घाट और बुनियादी ढांचे का काम हुआ, लेकिन शेष राशि नहीं मिलने के कारण काम बंद हो गया। अब 7 साल बाद अधूरे निर्माण को पूरा करने के लिए शासन ने 6.7 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट स्वीकृत किया है।

करोड़ों खर्च, फिर भी सुविधाओं का अभाव- श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यहां सुविधाओं का घोर अभाव है। परिसर में फ्लोरिंग का काम अधूरा है। बारिश होने पर दलदल और कीचड़ की स्थिति बन जाती है। मुख्य प्रवेश द्वार, कुंड, छतरी और बाउंड्री वॉल का काम भी अधूरा है। आगमन और निर्गम की उचित व्यवस्था नहीं होने से जाम और अफरातफरी की स्थिति बनती है। कुंड और तालाब में काई जमी है, जबकि पानी से बदबू भी आती है। आसपास झाड़ियां उगी हैं और पिंडदान हॉल की टाइल्स व पत्थर टूटने लगे हैं।

पौराणिक मान्यता से जुड़ा है गयाकोठा

स्कंद पुराण के अवंतिका खंड के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उज्जैन में महर्षि सांदीपनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण की थी। मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने गया जी की फल्गु नदी को गुप्त रूप से इसी स्थान पर प्रकट किया था। यहां विष्णुपद, सप्तऋषि मंदिर और 84 महादेवों में से एक मंदिर स्थित है। पितृपक्ष में विष्णु चरणों पर दुग्ध अर्पित कर तर्पण करने का विशेष धार्मिक महत्व है। नगर निगम प्रशासन का दावा है कि श्राद्ध पक्ष से पहले सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाएगी। हालांकि, मौके पर केवल 5-6 मजदूर ही सफाई में जुटे हैं। ऐसे में अधूरे निर्माण और बदहाल व्यवस्थाओं के बीच श्रद्धालुओं के लिए तर्पण करना चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

न्यूज विंडो

सफेद मार्बल का भव्य जिनालय बना तेंदूखेड़ा की धार्मिक पहचान

तेंदूखेड़ा। नगर का श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर भव्य स्थापत्य और धार्मिक महत्व के कारण क्षेत्र की विशेष पहचान बना हुआ है। सफेद मार्बल से निर्मित जिनालय में मूलनायक 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान है। मंदिर की आधारशिला 2015 में आचार्य विद्यासागर जी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद एवं निर्देशन में रखी गई थी, जबकि 2021 में निर्माण पूर्ण हुआ। इन दिनों यहां दसलक्षण महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह अभिषेक, शांतिधारा, पूजन-विधान, दोपहर में तत्त्वार्थ सूत्र वाचन एवं धार्मिक प्रतियोगिताएं हो रही हैं।

सेवा संकल्प यात्रा पहुंची नरसिंहपुर युवाओं से संवाद और पौधरोपण

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से बड़नगर तक निकाली जा रही जनसेवा संकल्प बाइक यात्रा का नरसिंहपुर जिले में आगमन हुआ। विक्रमपुर और बिलवा में यात्रा का स्वागत किया गया। केरपानी में युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। इसके बाद लाभार्थियों से योजनाओं को लेकर संवाद किया गया।

इमलीडोल जंगल में गीदड़ ने किया हमला, व्यक्ति के पैर में काटा

तेंदूखेड़ा। वन परिक्षेत्र तेंदूखेड़ा के ग्राम इमलीडोल स्थित जंगल में गीदड़ के हमले से एक व्यक्ति घायल हो गया। वार्ड क्रमांक 9 निवासी अनिल खटीक (52) किसी काम से इमलीडोल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जंगल में अचानक गीदड़ ने उन पर हमला कर दाएं पैर में काट लिया। घायल अनिल स्वयं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेबीज का इंजेक्शन लगाया। चिकित्सकों ने निर्धारित समय पर आवश्यक टीके लगवाने और सावधानी बरतने की सलाह दी। घटना के बाद जंगल क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों में वन्यजीवों को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और लोगों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक करने की मांग की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद लगाया गया रेबीज का इंजेक्शन

16 अक्टूबर को निकलेगी चुनरी कलश यात्रा, भाईचारे का देगी संदेश

धार। शहर में सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का संदेश देने 16 अक्टूबर को सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा निकाली जाएगी। नौगांव में हुई बैठक में सर्वसम्मति से लक्ष्मीनारायण पटेल को यात्रा का वरिष्ठ अध्यक्ष बनाया गया। यात्रा लक्की चौराहे से शुरू होकर करीब तीन किलोमीटर का सफर तय कर दोपहर 1 बजे देवीजी मंदिर पहुंचेगी। युवतियां गरबा और महिलाएं भजन करते हुए चलेंगी। मंदिर में चुनरी व पूजन सामग्री अर्पित की जाएगी। यात्रा में 7 हजार से अधिक कलश और श्रीफल की व्यवस्था की गई है। समापन पर श्रद्धालुओं के लिए फलाहार रखा जाएगा।

गंजबासौदा : नन्हे कलाकारों ने मंच से दिया उत्तम त्याग धर्म का संदेश

गंजबासौदा। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर स्टेशन में दशलक्षण धर्म के तहत उत्तम त्याग धर्म पर धार्मिक नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्री वीर सागर पाठशाला के बच्चों ने धार्मिक गीतों और भजनों पर मनमोहक प्रस्तुतियां देकर भगवान महावीर के अहिंसा, संयम और आत्मकल्याण का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने तालियों से बच्चों का उत्साह बढ़ाया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को जैन धर्म, संस्कारों और जीवन मूल्यों से जोड़ना रहा। मंदिर में प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा और आरती के साथ धार्मिक गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं।

आबकारी टीम ने जंगल में मारा छापा, तीन प्रकरण दर्ज

नानूपुरा में 40 लीटर हाथ भट्टी शराब, 1200 किलो लाहन जब्त

इटारसी। दोपहर मेट्रो

अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने नानूपुरा जंगल में बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी टीम ने जंगल क्षेत्र में अवैध मदिरा निर्माण के ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मौके से 40 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा और 1200 किलोग्राम लाहन बरामद किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 1 लाख 28 हजार रुपए बताई गई है। टीम ने बरामद शराब और लाहन को जब्त कर नष्ट करने की कार्रवाई की। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पड़रिया के नेतृत्व में की गई। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

1200 किलो लाहन मिला, मौके पर नष्ट

नानूपुरा जंगल में आबकारी विभाग की कार्रवाई के दौरान अवैध शराब बनाने के लिए तैयार किया गया भारी मात्रा में लाहन बरामद हुआ। टीम ने मौके से 40 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा के साथ 1200 किलोग्राम लाहन जब्त किया। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1.28 लाख रुपए बताई गई है। कार्रवाई के दौरान शराब और लाहन को नष्ट कर दिया गया। अवैध मदिरा निर्माण के मामले में आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए हैं। अधिकारियों के अनुसार जंगल और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब निर्माण के ठिकानों पर निगरानी बढ़ाई गई है।

भिलाड़िया घाट पर राजस्व, खनिज और पुलिस टीम ने दी दबिश

रेत माफिया पर कसा प्रशासन का शिकंजा, 11 मोटरें जब्त

नर्मदापुरम/सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय के नेतृत्व में राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने भिलाड़िया घाट क्षेत्र में औचक दबिश दी। टीम को देखकर अवैध रेत उत्खनन में जुटे लोगों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान पनडुब्बियों में इस्तेमाल की जा रही 11 मोटरें बरामद कर जब्त की गईं। जब्त मोटरों को खनिज अधिनियम और अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए शिवपुर थाना पुलिस की सुरक्षित अभिरक्षा में सौंपा गया।

प्रशासन के अनुसार, पिछले सप्ताह भी नर्मदा नदी में अवैध उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 25 मोटरें और दो पनडुब्बियां जब्त की गई थीं। लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध रेत उत्खनन करने वालों में हड़कंप है। एसडीएम विजय राय ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए संयुक्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दूसरे सप्ताह भी कार्रवाई अब तक 36 मोटरें जब्त

नर्मदा नदी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। भिलाड़िया घाट पर संयुक्त टीम की ताजा कार्रवाई में 11 मोटरें जब्त की गईं। इससे पहले पिछले सप्ताह भी टीम ने छापा मारकर 25 मोटरें और दो पनडुब्बियां जब्त की थीं। इस तरह दोनों कार्रवाइयों में अब तक 36 मोटरें और दो पनडुब्बियां प्रशासन के कब्जे में आ चुकी हैं। राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम नर्मदा के तटीय क्षेत्रों में अवैध उत्खनन और परिवहन पर नजर रख रही है। अधिकारियों का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को रोकने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

---

5 साल की सजा, 10 हजार का अर्थदंड बरकरार

बाघ और पेंगोलिन तस्करी से जुड़े ताशी शेरपा की अपील खारिज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बाघ और पेंगोलिन के शिकार एवं उनके अंगों की तस्करी के मामले में आरोपी ताशी शेरपा की अपील जिला एवं सत्र न्यायालय ने खारिज कर दी है। न्यायालय ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नर्मदापुरम द्वारा सुनाई गई पांच वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा को बरकरार रखा है। ताशी शेरपा करीब दो साल से नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में बंद है।

वन्यजीव तस्करी के इस मामले का जुलाई 2015 में एसटीएसएफ ने पर्दाफाश किया था। प्रकरण में कुल 36 लोगों को आरोपित बनाया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि गिरोह बाघ की खाल, हड्डियां, नाखून, बाल और चर्बी का तेल सहित पेंगोलिन के स्केल एकत्र कर आगे सप्लाई करता था। 20 दिसंबर 2022 को न्यायालय ने 27 आरोपितों को दोषी मानते हुए पांच-पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई थी। लंबे समय से फरार ताशी शेरपा को एसटीएसएफ ने 23 जनवरी 2024 को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में नेपाल सीमा के पास पानी टंकी क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। उसके पास से कथित फर्जी भारतीय दस्तावेज, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, विदेशी मुद्रा और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए थे। जांच में साइबर डेटा और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों को भी शामिल किया गया। इसी नेटवर्क से जुड़ी बताई गई महिला तस्कर यांगचेन लाचुगपा को दिसंबर 2025 में भारत-चीन सीमा के पास सिक्किम से गिरफ्तार किया गया था। मामले में जांच एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन से जुड़ी कड़ियों की भी जांच की।

शराब पीने के बाद युवक की मौत, जहरीली शराब होने की आशंका से मचा हड़कंप

रतवा के नवीन चौधरी की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस को दिया आवेदन

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने भी निष्पक्ष जांच और मुआवजे की मांग उठाई

धार। दोपहर मेट्रो

दिग्ठान चौकी क्षेत्र के ग्राम रतवा में 30 वर्षीय युवक नवीन चौधरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने आशंका जताई है कि शराब पीने के बाद तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हुई और शराब जहरीली या मिलावटी हो सकती है। मामले में परिजन ने दिग्ठान पुलिस को आवेदन देकर शराब कहां से खरीदी गई, कहां सेवन किया गया और उसकी गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है।

परिजनों के अनुसार नवीन दो दिन पहले मामा के घर ग्राम माचल गया था। लौटते समय उसने रास्ते में शराब का सेवन किया। इसके बाद उसे उल्टियां होने लगीं और तबीयत बिगड़ गई। पहले दिग्ठान अस्पताल

और फिर धार के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। संदिग्ध मौत के चलते जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। मामले की जानकारी मिलने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी कार्यकर्ताओं के साथ रतवा पहुंचे और शोकाकुल परिवार से चर्चा की। जोशी ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच, अवैध शराब पर कार्रवाई और परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने रतवा पहुंचकर मृतक नवीन चौधरी के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि परिजनों ने शराब पीने के बाद युवक की तबीयत बिगड़ने और मौत होने की बात बताई है। ऐसे में प्रशासन को मामले की गंभीरता से जांच कर शराब के स्रोत और उसकी गुणवत्ता की पड़ताल करनी चाहिए।

बड़े बाबा के दरबार में गूंजे जयकारे उत्तम अकिंचन्य दिवस पर उमड़े श्रद्धालु

मस्तकाभिषेक, शांतिधारा और शांतिविधान हुए संपन्न, रात 8 बजे 'जो जीता वो सिकंदर' प्रतियोगिता में दिखेगा उत्साह

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के श्री शांतिनाथ भगवान मंदिर में चल रहे धार्मिक महोत्सव के तहत गुरुवार को उत्तम अकिंचन्य दिवस श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह बड़े बाबा का विधि-विधान से मस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिविधान संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान के जयकारों से गूंज उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित किया।

शांतिधारा के महापात्र बनने का सौभाग्य राजकुमार जैन, श्रेयांश जैन-पूजा जैन परिवार, अनिल जैन-कल्पना जैन, श्रद्धा गारमेंट्स मुडेरी वाला परिवार, नितिन जैन-अखलेश जैन वेयरहाउस परिवार और

सुमेरचंद सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं सौधर्म इंद्र बनने का अवसर कैलाशचंद-हर्षित जैन परिवार तथा ईशान इंद्र बनने का सौभाग्य जिनेश कुमार-संगीता जैन परिवार को मिला। उत्तम अकिंचन्य दिवस पर श्रद्धालुओं ने त्याग, अपरिग्रह और आत्मसंयम के महत्व को समझते हुए इन्हें जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। दिनभर मंदिर में धार्मिक गतिविधियां चलती रहीं। महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार रात 8 बजे 'जो जीता वो सिकंदर' विशेष प्रतियोगिता आयोजित होगी। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता को रोचक और ज्ञानवर्धक स्वरूप दिया गया है। विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

छात्र-छात्राओं ने लिया पौधरोपण और विकसित भारत का संकल्प

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। एनएसएस अधिकारी यशवंत अहीरवाल एवं सुमन अहिरवार ने विद्यार्थियों को योजना के उद्देश्यों, कर्तव्यों और समाजसेवा में इसकी भूमिका की जानकारी दी। डॉ. सुनील गिरी ने विद्यार्थियों को सेवा भावना के साथ सामाजिक कार्यों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया, जबकि अदिति उपाध्याय ने एनएसएस के माध्यम से व्यक्तित्व एवं भविष्य निर्माण के अवसरों की जानकारी दी।

एनएसएस अधिकारी यशवंत अहीरवाल ने सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत स्वच्छता, जनजागृति

और राष्ट्रसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने नशामुक्ति, स्वच्छता एवं विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। संचालन यशवंत अहीरवाल ने किया और आभार डॉ. संध्या स्थापक ने व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर कलेक्टर रजनी सिंह ने कहा- प्राकृतिक उपायों और जागरुकता से बेहतर रख सकते हैं स्वास्थ्य

स्वस्थ जीवन का मंत्र: संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और आयुर्वेद

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर बुधवार को जिला चिकित्सा परिसर स्थित आयुष विंग में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर रजनी सिंह ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन और समृद्ध चिकित्सा परंपरा है, जो रोगों के उपचार के साथ स्वस्थ जीवनशैली और निरोगी रहने की दिशा भी दिखाती है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली में खान-पान, दिनचर्या और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है।

कलेक्टर ने आयुष विंग में लगाए गए औषधीय दवाइयों के स्टॉल का अवलोकन किया और उपलब्ध दवाओं, उनके वितरण तथा मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने जरूरतमंद मरीजों को दवाइयां समय पर उपलब्ध कराने और आयुर्वेदिक सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में आयुर्वेद के महत्व, योग, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या को लेकर जागरूक किया गया। आयुष विभाग के अधिकारियों व

चिकित्सकों ने आयुर्वेद दिवस के उद्देश्य और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. अनंत दुबे, एसके चतुर्वेदी, आयुष अधिकारी डॉ. सूर्यप्रकाश जोशी सहित चिकित्सक और नागरिक मौजूद रहे।

संतुलित आहार को बनाएं जीवन का हिस्सा

कलेक्टर रजनी सिंह ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए केवल बीमारी का उपचार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवनशैली में जरूरी बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने नागरिकों से आयुर्वेद में बताए गए प्राकृतिक उपायों को अपनाने के साथ योग, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की विशेषताओं और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता पर जानकारी दी गई। आयुष विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाओं और आवश्यक दवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

नागोया ने भारत की खेल ताकत पर बड़ा सवाल खड़ा किया

तीन साल में खिलाड़ियों पर 800.70 करोड़ का खर्च, 17 पदकों में मिले सिर्फ दो स्वर्ण

मेडल टेबल में भारत 14वें स्थान पर

नई दिल्ली , एजेंसी

एशियन गेम्स की तैयारियों पर भारत ने इस बार संसाधन और पैसा लगाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। पिछले तीन वर्षों में खिलाड़ियों की ट्रेनिंग, अंतरराष्ट्रीय अनुभव, उपकरण, कोचिंग और विशेषज्ञ सेवाओं पर 702.86 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसके अलावा टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत 97.84 करोड़ रुपये लगाए गए। इस तरह एशियन गेम्स की तैयारी पर सरकारी निवेश 800.70 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अब नागोया में जारी खेलों का मैदान इसी तैयारी और निवेश की परीक्षा ले रहा है।

आज तक भारत ने 2 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य समेत कुल 17 पदक जीते हैं। पदकों की कुल संख्या को निराशाजनक नहीं कहा जा सकता, लेकिन मेडल टेबल पर नजर डालने पर तस्वीर अलग दिखती है। भारत फिलहाल 14वें स्थान पर है। चीन 78 स्वर्ण समेत 126 पदकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि जापान के 20 स्वर्ण समेत 89 और दक्षिण कोरिया के 10 स्वर्ण समेत 50 पदक हैं। भारत का एकमात्र स्वर्ण महिला क्रिकेट टीम ने जीता है। भारतीय टीम ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके बाद भारत को रजत और कांस्य पदक मिलते रहे, लेकिन स्वर्ण की संख्या नहीं बढ़ सकी।

800 करोड़ की तैयारी का जवाब सिर्फ मेडल टेबल नहीं

एशियन गेम्स का अंतिम परिणाम आने के बाद ही नागोया में भारत के प्रदर्शन का पूरा आकलन किया जा सकेगा। निवेश से खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और विशेषज्ञ प्रशिक्षण मिल सकता है, लेकिन पदक की गारंटी नहीं होती। फिर भी 800 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भारत केवल पोडियम तक पहुंचने वाली टीम बनता है या अलग-अलग खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की अपनी क्षमता भी लगातार मजबूत करता है। हांगझोउ ने भारत को 106 पदकों का सपना दिया था, नागोया उस सपने को आगे बढ़ाने की अगली परीक्षा है।

हांगझोउ ने बढ़ा दी उम्मीदों की ऊंचाई

2023 के हांगझोउ एशियन गेम्स में भारत ने पहली बार 100 पदकों का आंकड़ा पार किया था। भारतीय दल ने 28 स्वर्ण, 38 रजत और 40 कांस्य समेत 106 पदक जीते और चौथे स्थान पर रहा। यह एशियन गेम्स में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे पहले 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में भारत ने 70 पदक जीते थे। हांगझोउ के प्रदर्शन ने भारतीय खेलों को लेकर उम्मीदों का स्तर काफी ऊपर कर दिया। अब 100 से ज्यादा पदक जीतना ही नई अपेक्षा बनता जा रहा है। हालांकि नागोया के खेल अभी समाप्त नहीं हुए हैं, इसलिए अंतिम प्रदर्शन पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगा।

तैयारी पर सबसे ज्यादा खर्च अंतरराष्ट्रीय अनुभव पर

800 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश में सबसे बड़ा हिस्सा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव दिलाने पर खर्च हुआ। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय अनुभव पर 251.4 करोड़ रुपये, घरेलू प्रशिक्षण पर 118.3 करोड़, उपकरणों पर 89.2 करोड़, विदेशी विशेषज्ञों पर 86.3 करोड़ और विदेशी प्रशिक्षण पर 39.8 करोड़ रुपये खर्च किए गए। भारत इस बार 501 खिलाड़ियों के दल के साथ उतरा है, जिसमें 310 खिलाड़ी पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। दल के साथ 265 सदस्यीय सहयोगी स्टाफ भी मौजूद है।

असली चुनौती पदकों की नहीं, स्वर्ण की चौड़ाई की

भारत के लिए सबसे बड़ा सवाल केवल कुल पदकों की संख्या नहीं है। चुनौती यह है कि कितने अलग-अलग खेलों में भारतीय खिलाड़ी लगातार स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। हांगझोउ में शूटिंग और एथलेटिक्स ने भारत के प्रदर्शन को मजबूत बनाया था। एथलेटिक्स ने 29 और शूटिंग ने 22 पदक दिलाए थे। शूटिंग से सात और एथलेटिक्स से छह स्वर्ण मिले थे। इससे पता चलता है कि कुछ खेलों में भारत ने अपनी ताकत काफी बढ़ाई है, लेकिन कई खेलों में स्वर्ण पदक के लिए लगातार मजबूत प्रदर्शन की जरूरत अभी बनी हुई है।

हेड कोच गौतम गंभीर ने खोला रिश्तों का राज, बोले

रोहित को तब से जानता हूं, जब वह टीम में आए थे, टीम हित में फैसला ही सबसे अहम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर अहम बात कही है। गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका संबंध केवल कप्तान और कोच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोनों के बीच लंबे समय से चली आ रही आपसी समझ है। उन्होंने कहा कि साथ खेलने के दौरान दोनों एक-दूसरे की सोच और क्रिकेट को देखने के नजरिए से अच्छी तरह परिचित हुए। गौतम गंभीर ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि जब रोहित शर्मा भारतीय टीम में आए थे, तब वह टीम के सीनियर खिलाड़ियों में शामिल थे। इसी दौर से दोनों के बीच संबंध बना। गंभीर के मुताबिक, लंबे समय तक साथ खेलने और क्रिकेट के मैदान पर समय बिताने से दोनों एक-दूसरे की सोच को समझने लगे।

उन्होंने कहा कि कप्तान और कोच की सोच हर परिस्थिति में एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं है। कई बार दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि अंतिम फैसला टीम के हित को ध्यान में रखकर लिया जाए। गंभीर के अनुसार, भारतीय क्रिकेट के लिए यही दृष्टिकोण सबसे अहम है। गंभीर ने अपने कोचिंग कार्यकाल के दौरान जिन कप्तानों के साथ काम किया है, उनका भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव के साथ काम करने के बाद अब वह शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के साथ काम कर रहे हैं। गंभीर ने कहा कि इन सभी कप्तानों में एक समान बात रही है—उन्होंने हमेशा टीम को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखा। हेड कोच ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें ऐसे कप्तानों के साथ काम करने का अवसर मिला।

सोच अलग हो सकती है, इरादा सही होना जरूरी

गंभीर ने कहा कि क्रिकेट में कप्तान और कोच की विचारधारा अलग हो सकती है। खेल को पढ़ने का नजरिया और परिस्थितियों का आकलन भी अलग-अलग हो सकता है। हालांकि, अगर दोनों का इरादा सही है और वे टीम के हित में फैसले लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो सपोर्ट स्टाफ के लिए काम करना काफी आसान हो जाता है। उन्होंने बताया कि रोहित के साथ यह अनुभव शुरू हुआ और सूर्यकुमार यादव के टी20 कप्तान बनने के बाद उन्हें उनके साथ भी अलग तरह का अनुभव मिला। श्रेयस अय्यर के साथ काम करने को लेकर भी गंभीर ने अपने पुराने संबंध का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वह श्रेयस के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स में काम कर चुके हैं। इससे पहले 2018 में दिल्ली की कप्तानी छोड़ते समय भी गंभीर ने श्रेयस में नेतृत्व क्षमता देखी थी। गंभीर ने कहा कि अब एक बार फिर श्रेयस के साथ काम करने का मौका मिलना उनके लिए खास है।

बाबर को लेकर अकरम के चने बेचने वाले बयान पर बवाल; तनवीर ने की आलोचना

पाकिस्तान क्रिकेट में बयानबाजी तेज

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड में पाकिस्तान को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम समेत पूरी टीम की आलोचना हो रही है। इस दौरे पर पीसीबी ने कई ऐसे फैसले लिए, जो विवादों में रहे। टीम को न सिर्फ तीनों टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा, बल्कि सीरीज के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सात खिलाड़ियों को वापस भेजने और कोचिंग स्टाफ में बदलाव का भी फैसला किया। इस पूरे घटनाक्रम के बीच पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कप्तान बाबर आजम के रवैये पर सवाल उठाए हैं। अकरम ने कहा कि अगर कप्तान को टीम में हो रहे बदलावों की जानकारी ही नहीं थी

तो फिर वह वहां क्या कर रहे थे। वसीम को जहां शोएब अख्तर का साथ मिला, वहीं, उनके बयान की पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर तनवीर अहमद ने आलोचना की है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट में उस समय बड़ा बदलाव हुआ, जब पीसीबी ने सात खिलाड़ियों को वापस भेज दिया और मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी बीच सीरीज में हटा दिया।

बाबर को कप्तानी नहीं लेनी चाहिए थी

वसीम अकरम ने बाबर आजम के कप्तानी संभालने के फैसले पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार के बाद बाबर को कप्तानी छोड़कर सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर खेलने का फैसला करना चाहिए था अकरम ने कहा, मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता और मैं गलत भी हो सकता हूं। लेकिन मेरी राय में बाबर को कप्तानी नहीं लेनी चाहिए थी। यह सब जरूरी नहीं था। उन्होंने आगे कहा, मेरी सलाह है कि दूसरे टेस्ट के बाद बाबर को कहना चाहिए था कि वह सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगे। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 0-3 से गंवाई।

रोशिबिना देवी की सिल्वर वाली कहानी

चयन मुकाबला हारीं, विवादों के बीच टीम में मिली जगह, फिर एशियन गेम्स में रचा इतिहास

नागोया, एजेंसी

भारतीय वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने नागोया एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय खेल जीवन में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया। महिलाओं के 60 किलोग्राम सांडा वर्ग के अंतिम मुकाबले में उन्हें चीन की झांग शियाओयू के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि अंतिम मुकाबले में स्वर्ण पदक से चूकने के बावजूद रोशिबिना ने ऐसी उपलब्धि हासिल की, जो भारतीय वुशु के इतिहास में लंबे समय तक याद रखी जाएगी। रोशिबिना लगातार तीन एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला वुशु खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 2018 जकार्ता-पालेमबांग एशियाई खेलों में कांस्य, 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में रजत और अब 2026 नागोया एशियाई खेलों में भी रजत पदक

अपने नाम किया है।

स्वर्ण पदक मुकाबले तक पहुंचने के सफर में रोशिबिना ने शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में उन्होंने वियतनाम की 2023 विश्व चैंपियन गुयेन थी थू थुय को हराकर अंतिम मुकाबले में जगह बनाई। हालांकि खिताबी मुकाबले में चीन की झांग शियाओयू ने दोनों दौर में बढ़त बनाए रखी और भारतीय खिलाड़ी को 0-2 से शिकस्त दी। रोशिबिना के रजत पदक ने भारतीय वुशु दल को राहत दी, क्योंकि अन्य सांडा खिलाड़ी पदक तक नहीं पहुंच सके। पुरुषों के 56 किलोग्राम वर्ग में आर्यन क्वार्टर फाइनल में हार गए।

चयन मुकाबले में हार के बाद चयन पर उठे सवाल

रोशिबिना की एशियाई खेलों की टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहा। जून में श्रीनगर में हुए चयन मुकाबले में युवा खिलाड़ी दिव्यांशी चौधरी ने उन्हें हराया था। इसके बाद दिव्यांशी चोटिल हो गईं और बाद में टीम से बाहर कर दी गईं। भारतीय वुशु संघ के अनुसार, अगस्त के अंतिम सप्ताह में दिव्यांशी की चुंबकीय अनुनाद जांच में गंभीर एसीएल चोट और काफी सूजन सामने आई थी। इसके बाद उन्हें टीम से हटाया गया और रोशिबिना को एशियाई खेलों की टीम में शामिल किया गया। इस चयन को लेकर विवाद भी हुआ। दिव्यांशी ने रोशिबिना पर उनके खिलाफ काम करने और मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए थे। हालांकि रोशिबिना ने इन आरोपों को स्वीकार नहीं किया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'आपने मुझे घर से निकाला इसलिए मैंने इतनी मेहनत की

कॉमेडियन भारती सिंह की 90 के दशक की यादों ने किया भावुक

मुंबई। कॉमेडियन और टीवी जगत की लोकप्रिय कलाकार भारती सिंह ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बचपन का एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। आज अपनी कॉमेडी और बेबाक अंदाज से घर-घर में पहचान बना चुकीं भारती ने बताया कि उनके बचपन में उनके घर में टीवी तक नहीं था। मनोरंजन के लिए वह मोहल्ले के दूसरे परिवार के घर टीवी देखने जाया करती थीं, लेकिन वहां भी उन्हें हमेशा टीवी देखने की अनुमति नहीं मिलती थी।

'द इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष' के लेटेस्ट एपिसोड में 90 के दशक की यादों को सेलिब्रेट किया गया। इसी दौरान भारती ने अपने बचपन से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि उस दौर में टीवी आज की तरह हर घर का हिस्सा नहीं हुआ करता था। उनके घर में टीवी नहीं था और मोहल्ले में भी कुछ गिने-चुने परिवारों के

पास ही टेलीविजन हुआ करता था। भारती ने बताया कि वह अक्सर पड़ोस के एक परिवार के घर टीवी देखने पहुंच जाती थीं। हालांकि, वहां उन्हें ज्यादा देर बैठने की इजाजत नहीं मिलती थी।

'टीवी के आगे पर्दा कर देते थे'– अपने पुराने दिनों को याद करते हुए भारती ने बताया कि जब वह पड़ोस में टीवी देखने जाती थीं तो कई बार परिवार के लोग टीवी के आगे पर्दा कर देते थे। इसके बाद उन्हें यह कहकर घर जाने के लिए कहा जाता था कि पढ़ाई नहीं करनी है क्या? भारती के लिए यह अनुभव भले ही उस वक्त अच्छा नहीं रहा हो, लेकिन आज वह इसे अपने संघर्ष और सफलता से जोड़कर देखती हैं। उन्होंने अपने पुराने पड़ोसियों को मजाकिया अंदाज में धन्यवाद भी दिया।

'आप लोगों की वजह से मैंने इतनी मेहनत की'

भारती ने कहा कि वह अपने पुराने पड़ोसियों को धन्यवाद देना चाहती हैं, क्योंकि उनके घर से निकाले जाने की वजह से उन्होंने और ज्यादा मेहनत करने का संकल्प लिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि आज उन्हीं परिस्थितियों की वजह से वह खुद टीवी पर नजर आ रही हैं। 'द इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष' एक एंटरटेनमेंट गेम शो है, जिसमें सेलिब्रिटीज अलग-अलग तरह के मजेदार चैलेंज में हिस्सा लेते हैं। शो में फिजिकल, कॉमेडी और स्किल आधारित गेम्स के जरिए प्रतिभागियों के बीच मुकाबला कराया जाता है।

न तारीख तय हुई, न लंबी तैयारियां, अमिताभ ने सुनाया अपनी शादी का दिलचस्प किस्सा

मुंबई। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की प्रेम कहानी हिंदी सिनेमा की चर्चित जोड़ियों में शुमार है। दोनों ने फिल्मों में साथ काम करते हुए एक-दूसरे को जाना और फिर अपने रिश्ते को शादी में बदलने का फैसला किया। हालांकि उनकी शादी का किस्सा आज की भव्य और महीनों चलने वाली शादी की तैयारियों से बिल्कुल अलग था। अमिताभ बच्चन ने खुद 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में अपनी शादी से जुड़ा दिलचस्प राज साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान कोलकाता से आईं प्रतियोगी अहेली रॉय ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि शादी से पहले उन्होंने जया बच्चन के परिवार को कैसे मनाया और अपनी होने वाली सास का दिल किस तरह जीता।

इस सवाल पर अमिताभ ने बताया कि उन्होंने जया के परिवार से शादी को लेकर पहले से कोई खास बातचीत नहीं की थी। उन्होंने जया से एक दिन अचानक कह दिया था कि अब दोनों को शादी कर लेनी चाहिए। जया ने भी इस बात पर सहमति जताई और दोनों ने विवाह का फैसला कर लिया।

अमिताभ के मुताबिक, इसके बाद जया अपने माता-पिता के पास गईं और उन्हें इस फैसले की जानकारी दी।

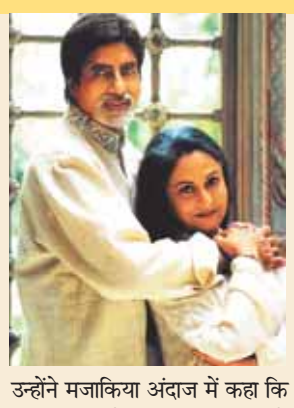

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि आज तक उन्हें नहीं पता कि जया ने अपने माता-पिता से उस समय क्या कहा था कि वे इस रिश्ते के लिए तैयार हो गए। इसके बाद थोड़ी बातचीत हुई और अगले ही दिन दोनों की शादी हो गई। अमिताभ ने आज के दौर की शादियों का जिक्र करते हुए कहा कि शादी के लिए तारीख तय करना, कपड़े चुनना, अलग-अलग जगहों पर जाना और लंबी तैयारियां करना उन्हें जरूरी नहीं लगता। उनके मुताबिक, जब दो लोग एक-दूसरे को अपना मान लेते हैं, तो इससे बड़ी बात और कुछ नहीं होती।

मेट्रो बाजार

फोन-पे ग्रामीण भारत में 20,000 अतिरिक्त ऑन-रोल सेल्स कर्मियों की करेगा भर्ती

नई दिल्ली। फोनपे ने अपने मर्चेंट नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने और भारत के कस्बों एवं गांवों तक डिजिटल भुगतान के बुनियादी ढांचे को और गहराई तक पहुंचाने की योजना की घोषणा की।

विस्तार के तहत फोनपे अगले एक साल में अपने पेरोल पर 20,000 से अधिक फ्रंटलाइन बिक्री कर्मचारियों की भर्ती करेगा। कंपनी अगले 12 महीनों में 50 लाख से अधिक पेमेंट डिवाइस भी लगाएगी। इनमें स्मार्टस्पीकर और पीओएस डिवाइस शामिल होंगे। इनमें से करीब 50 प्रतिशत डिवाइस ग्रामीण भारत में लगाए जाएंगे, जिससे टियर-6 कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने की सुविधा और गहराई तक पहुंचेगी।

हाल में घोषित एमडीआर फ्रेमवर्क से कंपनी को लंबे समय का दृष्टिकोण अपनाने और मर्चेंट नेटवर्क के विस्तार में निवेश करने का अवसर मिला है। छोटे कारोबारियों के विस्तार के लिए एमडीआर से एकत्र राशि का 5 प्रतिशत निर्धारित कर बनाए गए समर्पित फंड जैसी पहल इन निवेशों को और गति दे रही हैं। इसका खास असर टियर-6 कस्बों और गांवों सहित दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। पिछले साल लागू किए गए नए श्रम संहिताएं भी कंपनी को प्रक्रियाओं को सरल बनाकर तेजी से भर्ती करने में सक्षम बना रही हैं। इससे बड़ी संख्या में ऑन-रोल कर्मचारियों को सुगमता से कंपनी में शामिल करने में मदद मिल रही है।

त्योहारों पर चीनी की कीमतों में राहत की उम्मीद आने वाले हफ्तों में घट सकते हैं दाम : आईएसएमए

नई दिल्ली। दशहरा और दिवाली समेत आगामी त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को उचित कीमतों पर चीनी उपलब्ध कराने के लिए सरकार और चीनी उद्योग मिलकर काम कर रहे हैं। इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने कहा कि त्योहारों के दौरान चीनी की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए बाजार में पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखना प्राथमिकता है।बल्लानी ने कहा कि सरकार और उद्योग दोनों यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उपभोक्ताओं को त्योहारों के दौरान चीनी उचित दरों पर उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि दशहरा जल्द आने वाला है और इसके बाद दिवाली सहित कई प्रमुख त्योहार हैं। ऐसे में मांग बढ़ने के बावजूद बाजार में कीमतों को नियंत्रण में रखना जरूरी है।

बल्लानी के अनुसार, घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति फिलहाल पर्याप्त बनी हुई है और खुदरा कीमतों में नरमी का रुख दिखाई देने लगा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले कुछ हफ्तों में उपभोक्ताओं को चीनी की कीमतों में और राहत मिल सकती है। उन्होंने बताया कि चीनी की एक्स-मिल कीमतों और खुदरा बाजार में कीमतों के बदलाव के बीच आमतौर पर कुछ समय का अंतर रहता है। इसका कारण आपूर्ति श्रृंखला है। मिल स्तर पर कीमत घटने के बाद उसका पूरा असर थोक विक्रेताओं और खुदरा बाजार तक पहुंचने में समय लगता है। आईएसएमए महानिदेशक ने बताया कि एक्स-मिल चीनी की कीमतों में पहले ही करीब 25 से 30 प्रतिशत तक कमी आ चुकी है। पूरे भारत में एक्स-मिल कीमत का औसत वर्तमान में करीब 4,450 रुपये प्रति क्विंटल बताया गया है। बल्लानी ने कहा कि जब मिल स्तर पर कीमतों में इतनी बड़ी कमी आई है तो आपूर्ति श्रृंखला में इसका प्रभाव धीरे-धीरे खुदरा बाजार तक पहुंचना स्वाभाविक है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 20 से ज्यादा घर बहे, एमपी-बिहार और यूपी में अलर्ट

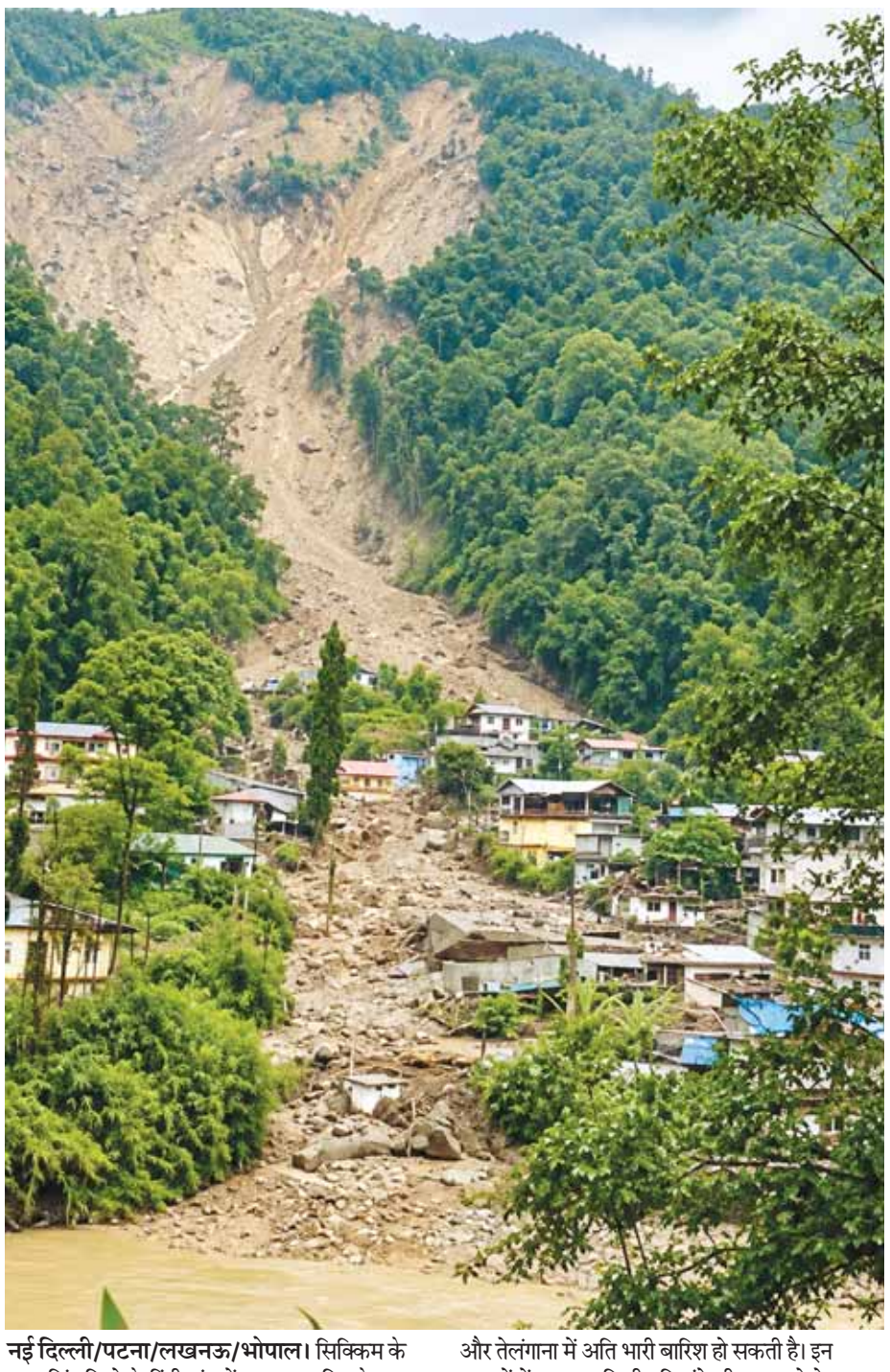

नई दिल्ली/पटना/लखनऊ/भोपाल। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी गांव में लगातार बारिश के कारण गुरुवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 20 से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर बह गए। हालांकि, अभी तक किसी की मौत की सूचना नहीं है। बंगाल की खाड़ी से उठा अर्नब चक्रवात अब कमजोर पड़ गया है। इसके कारण ओडिशा में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। चक्रवात से 9 राज्य प्रभावित हैं। अगले 24 घंटे में छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में अति भारी बारिश हो सकती है। इन इलाकों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश में मजबूत सिस्टम एक्टिव है। जबलपुर समेत 13 जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 16 जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। बिहार में आज 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। हरियाणा में भी यमुनानगर, करनाल और पानीपत समेत 6 जिलों में बारिश होने की संभावना है।

2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा व्यापारी भुगतान पर लागू होगा शुल्क

यूपीआई पर एमडीआर को लेकर सीतारमण बोलीं- सरकार के खाते में नहीं जाएगा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी

यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि एमडीआर न तो टैक्स है, न सेस और न ही सरचार्ज। इससे मिलने वाली राशि भारत सरकार के खाते में नहीं जाएगी। वित्त मंत्री के अनुसार यह शुल्क भुगतान इकोसिस्टम से जुड़े पक्षों के बीच तय व्यवस्था के तहत लिया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेन पर एमडीआर लागू होगा, लेकिन इसका भुगतान ग्राहक को नहीं करना होगा। सरकार के अनुसार पर्सन-टू-पर्सन सभी यूपीआई लेनदेन मुफ्त रहेंगे और 2,000 रुपए तक के व्यापारी भुगतान भी शुल्क-मुक्त रहेंगे। छोटे व्यापारियों के लिए भी शून्य-एमडीआर की व्यवस्था जारी रहेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि एमडीआर का निर्धारण और वितरण भुगतान नेटवर्क के विभिन्न प्रतिभागियों के बीच होगा। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के आरोपों को भी खारिज किया और कहा कि इसे सरकार द्वारा लगाया गया टैक्स बताना सही नहीं है।

ऐसे समझे एमडीआर और किस पर लगेगा

मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारी लेनदेन से जुड़ा शुल्क है। नए यूपीआई ढांचे के तहत 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। यह शुल्क ग्राहक से सीधे नहीं लिया जाएगा। 2,000 रुपए तक के व्यापारी भुगतान पर एमडीआर नहीं लगेगा। इसके अलावा छोटे व्यापारी, जो यूपीआई क्यूआर के जरिए महीने में 1 लाख रुपए तक प्राप्त करते हैं, शून्य-एमडीआर व्यवस्था में बने रहेंगे। केंद्र सरकार के अनुसार करीब 96 प्रतिशत व्यापारी लेनदेन इससे प्रभावित नहीं होंगे। पर्सन-टू-पर्सन भुगतान राशि कितनी भी हो, पूरी तरह मुफ्त रहेगा। सरकार के मुताबिक यूपीआई से भुगतान करने वाले ग्राहक से एमडीआर नहीं लिया जाएगा। व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले सभी यूपीआई लेनदेन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे।

सीतारमण बोलीं- इसे सरकारी टैक्स बताना गलत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूपीआई एमडीआर को लेकर सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों पर विपक्ष को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार की ओर से लगाया गया टैक्स नहीं है और न ही एमडीआर से प्राप्त राशि सरकारी कोष में जाएगी। उनके अनुसार यह भुगतान क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के बीच पेशेवर व्यवस्था के तहत लिया जाने वाला शुल्क है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस व्यवस्था को सही तरीके से नहीं समझ पाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने स्पष्ट किया है कि ग्राहक पर एमडीआर का बोझ नहीं डाला जाएगा। विपक्ष द्वारा इसे सरकार का फैसला बताए जाने पर उन्होंने आपत्ति जताई।

महाराष्ट्र: गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, 24 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

मुंबई. एजेंसी। 12 दिन तक चले गणेश उत्सव का आज अनंत चतुर्दशी पर समापन हो रहा है। मुंबई समेत महाराष्ट्र में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह से ही घरों और प्रमुख पंडालों से श्रद्धालु ढोल-ताशों के साथ गणेश प्रतिमाएं लेकर निकले। 'गणपति बाप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय रहा। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई है। महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के लिए 24 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं बीएमसी ने करीब 25 हजार कर्मचारियों को विसर्जन ड्यूटी पर लगाया है।

अलमारी खोली तो कपड़ों की जगह निकली नोटों की गड्डियां, 63 लाख कैश बरामद

85 हजार की रिश्वत लेते खनन अधिकारी, संविदा कर्मी धराए

शामली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान की मेरठ सेक्टर टीम ने जिला खनन अधिकारी सुधाकर सिंह और संविदा सहायक लिपिक सद्दाम को 85 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद टीम ने खनन अधिकारी के कार्यालय और सरकारी आवास की तलाशी ली। कार्यालय की दराज से आठ लाख रुपए नकद मिले, जबकि सरकारी आवास की अलमारियों से 63 लाख रुपए बरामद हुए। अधिकारियों के अनुसार अलमारी में कपड़ों के बीच 200 और 500 रुपए के नोटों की गड्डियां रखी थीं। दूसरी अलमारी में दो बैगों में 500 रुपए के नोट भरे मिले। नकदी की गिनती के लिए टीम को मशीन मंगानी पड़ी। दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। विजिलेंस टीम बरामद नकदी के स्रोत और रिश्वत से जुड़े पूरे मामले की जांच कर रही है।

मशीन से गिनी गईं नोटों की गड्डियां

विजिलेंस टीम को खनन अधिकारी के सरकारी आवास की अलमारियों में 63 लाख रुपए नकद मिले। 200 और 500 रुपए के नोटों की गड्डियां कपड़ों के बीच रखी थीं। दूसरी अलमारी में दो बैग भी मिले, जिनमें 500 रुपए के नोट भरे थे। बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद टीम ने एलडीएम से मशीन मंगाई गई। कार्यालय की दराज से भी आठ लाख रुपए बरामद हुए। टीम ने बरामद नकदी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज विंडो

मोदी बोले-समाज के लिए काम करें, वोट बैंक की रजनीति नहीं

नई दिल्ली.एजेंसी। दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से वडनगर जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम गांधी जी के जीवन की ओर देखते हैं, तो वे अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने और आजादी का आंदोलन चलाने के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक सुधारक भी थे।

समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ उन्होंने हमेशा काम किया। इसलिए हमें भी समाज में निरंतर सुधार और सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करते रहना चाहिए, केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं।

दरअसल, दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी।

चीनी राष्ट्रपति के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

व्हाइट हाउस में डिनर, जिनपिंग को जंगली मशरूम का सूप, तिल लगी मछली परोसी

वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में स्टेट डिनर आयोजित किया। व्हाइट हाउस में फर्स्ट लेडी मेलानिया की देखरेख में डिनर की तैयारियां की गईं।

डिनर की शुरुआत खास तरह के गाढ़े सूप से हुई। इसमें जंगली मशरूम, हरी जड़ी-बूटियां, कुरकुरे पैनसेटा और हरे प्याज वाले तेल का इस्तेमाल हुआ। इसके बाद तिल की परत वाली सी-बास मछली परोसी गई। बोक चॉय, भुना बैंगन और हरी चटनी भी दी गई। बोक चॉय चीन में खाई जाने वाली सब्जी है, जो छोटे पत्तागोभी जैसी दिखती है। डिनर के बाद मिठाई में वनीला क्रीम, खट्टी चेरी और अखरोट से बनी मिठाई के साथ आइसक्रीम परोसी गई। आइसक्रीम में व्हाइट हाउस में तैयार किया शहद इस्तेमाल किया गया था।

ट्रम्प बोले- अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर

डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से बेहतर हैं।

ट्रम्प ने अपने बीजिंग दौरे को याद करते हुए कहा कि चीन में उनका जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ था, अब अमेरिका भी जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देना चाहता है। इस दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी बाल्ड ईगल का करीब 3 फीट ऊंचा स्टैच्यू भी तोहफे में दिया। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की आजाद और ऊंची उड़ान भरने वाली भावना का प्रतीक है।

इंडिया एक्सपो सेंटर गृह मंत्री अमित शाह ने किया उद्घाटन

ट्रेड शो...विदेशी साझेदारी से नए बाजार मिलेंगे और बढ़ेगा निवेश

लखनऊ. एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। ट्रेड शो में पहली बार आस्ट्रिया, जापान, रूस, सिंगापुर, बेलारूस और वियतनाम साझेदार देश के तौर पर सहभागिता कर रहे हैं।

इन देशों की भागीदारी से व्यापार साझेदारी, तकनीकी सहयोग, सोर्सिंग, निवेश और नए बाजारों तक प्रदेश के उत्पादों की पहुंच के अवसर बढ़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खरीदारों की बीटूबी बैठक, सेक्टोरल नीति सत्र से प्रदेश में निवेश की नई संभावनाएं बनेंगी प्रदेश के एमएसएमई मंत्री भूपेन्द्र चौधरी ने यूपीआइटीएस की तैयारी और लक्ष्य को साझा किया।

मंत्री ने कहा, यूपीआइटीएस प्रदेश के उद्यमियों, निर्माताओं, निर्यातकों, कारोबारियों को दुनिया के बाजारों से जोड़ने का बड़ा मंच है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने खोले पत्ते बोले-भारत से रिश्ते बेहतरीन

वॉशिंगटन.एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत के साथ रिश्तों को बेहतरीन बताया है। कहा, राजनीति में कभी उतार-चढ़ाव आया, लेकिन अभी दोनों देशों के संबंध अच्छे हैं। नेपाल अब मतभेदों के बजाय व्यापार, ऊर्जा और संपर्क के अवसरों पर ध्यान दे रहा है। खनाल ने चीन के साथ भी व्यावहारिक रिश्तों की बात कही। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के कार्यक्रम में उन्होंने ये बातें कहीं। खनाल ने कहा, नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत से होता है। उन्होंने ये बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही। विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात का भी जिक्र भी किया।

मेट्रो एंकर | यूएन मुख्यालय में पत्रकारों ने पूछा कि आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे

हाफिज पर कार्रवाई कब? पूछा तो मुंह छिपाने लगे पाक प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद। एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा।

शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। वे सीधे आगे बढ़ गए। इसके बाद बाद में जब वह यूएन मुख्यालय से बाहर निकले तो उनसे फिर पूछा गया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल का भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, वे मुंह छिपाते हुए चलते चले गए।

लश्कर का संस्थापक है हाफिज सईद , इसलिए भारत चाहता कार्रवाई

हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले में भी उसका नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। इसके अलावा अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाफिज सईद को आरोपी बनाया है। इस मामले में एनआईए ने चार्जशीट भी दायर की है।

शहबाज शरीफ से दोनों सवाल सीधे तौर पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। सवाल था, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन शहबाज ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद यूएन मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस बार भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए। इस पूरे घटनाक्रम ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी रिकॉर्ड और हाफिज सईद पर कार्रवाई के सवाल को एक बार फिर से चर्चा में ला दिया है।

पहलगाम में 26 मौतों का जिम्मेदार है हाफिज सईद

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक को निशाना बनाया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। एनआईए की जांच के बाद दाखिल पूरक आरोपपत्र में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को भी आरोपी बनाया गया। जांच एजेंसी ने उस पर हमले की व्यापक साजिश में भूमिका होने का आरोप लगाया है। ऐसे में यूएन में जब शहबाज शरीफ से पूछा गया कि पाकिस्तान हाफिज सईद पर कब मुकदमा चलाएगा, तो सवाल सीधे उस व्यक्ति से जुड़ा था जिसे भारत की जांच एजेंसी ने पहलगाम मामले में आरोपी बनाया है। इस मामले में नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने जुलाई 2026 में दाखिल पूरक आरोपपत्र में उस पर व्यक्तिगत रूप से और लश्कर-ए-तैयबा तथा उसके सक्रिय सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के प्रमुख के तौर पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। इसलिए भारत उस पर कार्रवाई चाहता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524